चैत्र कृष्ण - 2 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 227 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » रविवार » 16-03-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

4 गौ रक्षा और गौ संवर्धन हमारी भारतीय संस्कृति का आधार : दीया कुमारी

6 कर्नल एमबी रवींद्रनाथः जब कारगिल की पहाड़ी पर लहराया तिरंगा तो झूम उठा था पूरा भारत

7 अपूर्वा अरोड़ा ने दिल्ली में अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग पूरी की

फर्स्ट टेक

पद्म पुरस्कार 2026 के लिए नामांकन, अनुशंसा की प्रक्रिया शुरू

नई दिल्ली/भाषा। पद्म पुरस्कार 2026 के लिए नामांकन और सिफारिशें शनिवार को शुरू हुईं। ये पुरस्कार विशिष्ट व्यक्तियों को उनकी असाधारण उपलब्धियों और सेवा के लिए दिए जाते हैं। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, गणतंत्र दिवस 2026 की पूर्व संध्या पर घोषित किए जाने वाले अगले वर्ष के पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन और सिफारिशों की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2025 है। पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन और अनुशंसाएं केवल राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल पर ऑनलाइन प्राप्त की जाएंगी।

64 माओवादियों ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया

हैदराबाद/भाषा। प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) के कुल 64 सदस्यों ने शनिवार को तेलंगाना के भद्राद्री कोठागुडेम जिले में पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना के सीमावर्ती गांवों के एक एरिया कमेटी सदस्य (एसीएम) सहित विभिन्न कैडर के 64 माओवादियों ने नक्सलवाद का रास्ता छोड़कर अपने परिवारों के साथ शांतिपूर्ण जीवन जीने का फैसला किया। उन्होंने आईजीपी मल्टी-जोन एक और जिला पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। भद्राद्री कोठागुडेम के पुलिस अधीक्षक बी रोहित राजू ने बताया कि इन 64 सदस्यों सहित कुल 122 माओवादियों ने पिछले ढाई महीने में आत्मसमर्पण किया है।

इराक और सीरिया में इस्लामिक स्टेट का प्रमुख मारा गया : इराकी प्रधानमंत्री

बगदाद/एपी। इराक के प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया अल-सुदानी ने शुक्रवार को बताया कि इस्लामिक स्टेट के प्रमुख अब्दल्लाह माकी मोसलेह अल-रिफाई को इराक में एक अभियान के दौरान ढेर कर दिया गया। उसे ''अबु खदीजा'' के नाम से भी जाना जाता था। यह अभियान इराकी राष्ट्रीय खुफिया सेवा और अमेरिकी बलों ने संचालित किया। इराक के प्रधानमंत्री अल-सुदानी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक बयान में कहा, ''इराक के लोग आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अपनी प्रभावशाली जीत जारी रखे हुए हैं।'' बयान में कहा गया कि अबु खदीजा ''आतंकवादी संगठन का 'डिप्टी खलीफा' था और इराक तथा विश्व के सबसे खतरनाक आतंकवादियों में से एक था।'' अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार रात अपने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ' पर कहा, आईएसआईएस के भगोड़े कट्टरपंथी को आज इराक में मार दिया गया।

16-03-2025 सूर्यास्त 6:19 बजे | 17-03-2025 सूर्योदय 6:15 बजे

BSE	NSE
73,828.91	22,397.20
(-200.85)	(-73.30)

सोना	चांदी
8,997 रु.	107,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

पवित्र कौन

मन में यदि हो ना कलुष भेद,
लगता है तब हर व्यक्ति मित्र।
अंतस में हों निर्मल खुशियां,
सुंदर लगते हैं सभी चित्र।
भीतर के हो जब वस्त्र स्वच्छ,
आनंदित करता तभी इत्र।
कथनी करनी हो शुद्ध अगर,
हर महिना दिन होता पवित्र।

तमिल एक मधुर भाषा है : वैष्णव

प्रधानमंत्री चाहते हैं कि हर भाषा को उसका उचित सम्मान मिले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने तमिल को एक 'मधुर' भाषा बताते हुए शनिवार को कहा कि यह देश और दुनिया के लिए बहुत मूल्यवान है।

केंद्रीय रेलवे, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने यहां एक कार्यक्रम में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमेशा यह सुनिश्चित किया है कि हर भारतीय भाषा को उसका उचित सम्मान मिले।

हम सभी को अपने देश को बहुत मजबूत बनाने के एक बड़े लक्ष्य पर ध्यान देना चाहिए, यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हम तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनें।

श्रीपेरंबदूर में जेटवर्क इलेक्ट्रॉनिक्स के एक विनिर्माण कारखाने के उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल होते हुए, वैष्णव ने कहा कि वह भाग्यशाली हैं क्योंकि उन्हें आईआईटी कानपुर में पढ़ाई के दौरान सदगोपन नामक एक प्रोफेसर मिले थे, जिन्होंने उन्हें तमिल भाषा के बारे में सिखाया। अपने भाषण की शुरुआत में तमिल भाषा में पारंपरिक 'वणक्कम' (नमस्ते) के साथ लोगों का अभिवादन करते हुए वैष्णव ने कहा, ''तमिल एक बहुत ही मधुर भाषा है। मैं केवल तीन शब्दों को जानता हूं - वणक्कम, एप्पाडी इरुकेंगा (आप कैसे हैं) और नंद्री (धन्यवाद)।''

आईआईटी कानपुर में सदगोपन के साथ बातचीत का जिक्र करते हुए मंत्री ने कहा, ''सदगोपन ने मुझे तमिल भाषा से परिचित कराया और उत्तर भारत में तमिल को आमतौर पर मसाला डोसा के नाम से जाना जाता है।

उन्होंने मुझे तमिल संस्कृति के कई पहलुओं से परिचित कराया। यह बहुत ही गहरी संस्कृति है, बहुत प्राचीन संस्कृति है। हम सभी तमिल संस्कृति और तमिल भाषा का सम्मान करते हैं। यह हमारे देश की एक संपत्ति है और हमें इस पर गर्व होना चाहिए।''

वैष्णव ने कहा, ''दूरसंचार और डाटा संरक्षण कानूनों में, हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमें प्रेरित किया और पूछा कि नोटिस केवल अंग्रेजी में क्यों होना चाहिए और सभी भारतीय भाषाओं में क्यों नहीं होना चाहिए। इसलिए, उनसे प्रेरणा लेते हुए, हमने कानून में ही कहा है कि संविधान में सभी भाषाएं लोगों के लिए विकल्प के रूप में उपलब्ध होनी चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''हम सभी को अपने देश को बहुत मजबूत बनाने के एक बड़े लक्ष्य पर ध्यान देना चाहिए, यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हम तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनें।''

कांग्रेस ने असम में शांति स्थापित नहीं होने दी जबकि मोदी ने इसे बहाल किया : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देरगांव (असम)/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को दावा किया कि कांग्रेस ने असम में शांति स्थापित नहीं होने दी, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसे बहाल किया, बुनियादी ढांचे का विकास किया और पूर्वोत्तर राज्य के युवाओं के लिए रोजगार सुनिश्चित किया।

शाह गोलाघाट जिले के देरगांव में पुनर्निर्मित लचित बरफुकन पुलिस अकादमी के पहले चरण का उद्घाटन करने के बाद वहां मौजूद लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने दूसरे चरण की आधारशिला भी रखी। उन्होंने कहा, ''पिछले 10 वर्ष में असम में 10,000 से अधिक युवा हथियार डालकर मुख्यधारा में शामिल हुए हैं और राज्य में शांति लौट आई है। असम, जो आंदोलन, हिंसा और उग्रवाद के लिए जाना जाता था, अब यहां सबसे आधुनिक सेमीकंडक्टर उद्योग है। यहां सेमीकंडक्टर इकाई के लिए 27,000 करोड़ रुपए का निवेश किया जा रहा है, जो असम का भविष्य बदलने जा रहा है।''

शाह ने यह भी कहा कि हाल ही में संपन्न 'एडवांटेज असम 2.0' व्यापार शिखर सम्मेलन में पांच लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, केंद्र सरकार द्वारा राज्य में तीन लाख करोड़ रुपए की अन्य बुनियादी ढांचा परियोजनाएं क्रियान्वित की जाएंगी। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, ''आठ करोड़ लाख रुपए की लागत वाली इन परियोजनाओं से ऐसा माहौल बनेगा कि देशभर से युवा नौकरी के लिए यहां आएंगे।'' उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के तहत 2020 में बोडो शांति समझौता, 2021 में कार्बी समझौता, 2022 में आदिवासी शांति समझौता और 2023 में उल्फा के साथ शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

'एक देश, एक चुनाव' व्यवस्था लागू करने के लिए कृत संकल्पित है केंद्र : मेघवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने शनिवार को कहा कि केंद्र सरकार 'एक देश, एक चुनाव' व्यवस्था लागू करने के लिए कृत संकल्पित है।

मेघवाल यहां एक निजी विश्वविद्यालय के नये अकादमिक खंड का उद्घाटन करने के बाद एक समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, केंद्र सरकार 'एक देश, एक चुनाव' लागू करने के लिए कृत संकल्पित है। वर्ष 1952, 1957, 1962 और 1967 में भी लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ हुए थे।

मेघवाल ने 'एक देश, एक चुनाव' को देशहित में बताया। उन्होंने कहा कि 'एक देश, एक चुनाव' को निर्वाचन आयोग, हमारी समितियों, नीति आयोग के समूह और फिर पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में बनी उच्च स्तरीय समिति ने अपनी सहमति दी है और केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भी इसे मंजूरी दे दी है।

अमृतसर में मंदिर के बाहर विस्फोट

अमृतसर/भाषा। अमृतसर में एक मंदिर के बाहर हुए विस्फोट से इसकी दीवारें क्षतिग्रस्त हो गईं और खिड़कियों के शीशे टूट गए। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मोटरसाइकिल सवार एक व्यक्ति ने मंदिर की ओर विस्फोटक उपकरण फेंका। हालांकि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन इससे अमृतसर के खंडवाला क्षेत्र के निवासियों में दहशत फैल गई है। पिछले चार महीनों में अमृतसर और गुरदासपुर में पुलिस चौकियों को निशाना बनाकर विस्फोट की कई घटनाएं हुई हैं, लेकिन मंदिर पर इस तरह का यह पहला हमला है। विपक्षी दलों ने आरोप लगाया कि यह घटना आप सरकार के तहत बिगड़ती कानून व्यवस्था की स्थिति को दर्शाती है। अमृतसर के पुलिस आयुक्त गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि शनिवार देर रात करीब दो बजे ठाकुर द्वार मंदिर के पुजारी ने पुलिस को घटना की जानकारी दी। घटना की सीसीटीवी फुटेज में दो अज्ञात व्यक्ति मोटरसाइकिल पर ठाकुर द्वार मंदिर की ओर आते हुए दिखाई देते हैं। कुछ सेकंड रुकने के बाद उनमें से एक व्यक्ति मंदिर की ओर कुछ विस्फोटक सामग्री फेंकता दिखता है और फिर वे मौके से भाग जाते हैं।

देश को 'जीएसटी 2.0' की जरूरत: कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की अलग-अलग दरों को लेकर शनिवार को सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि पॉपकॉर्न के बाद अब 'डोनट' पर जीएसटी का असर हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि देश को अब जीएसटी 2.0 (जीएसटी के नए संस्करण) की जरूरत है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक खबर का हवाला दिया जिसमें कहा गया है कि सिंगापुर की डोनट चेन 'मैड ओवर डोनट्स' को कथित तौर पर अपने व्यवसाय को गलत वर्गीकृत करने और 5 प्रतिशत जीएसटी का भुगतान करने के लिए 100 करोड़ रुपए के कर नोटिस मिला है।

डोनट, आटे से बना मीठा और रिंग के आकार का स्नैक्स होता है। इसे आमतौर पर चॉकलेट, आइसिंग, पाउडर चीनी या फल से सजाया जाता है। डोनट कई देशों में लोकप्रिय है।

रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''पॉपकॉर्न के बाद अब डोनट पर भी जीएसटी का असर पड़ रहा है। 'मैड ओवर डोनट्स' को 100 करोड़ रुपए के कर के नोटिस का सामना करना पड़ रहा है। डोनट के लिए मशहूर इस ब्रांड को अपने व्यवसाय का गलत वर्गीकरण करने और डोनट पर पांच प्रतिशत जीएसटी (इसे रेस्टोरेंट सर्विस सेवा बताकर) चुकाने का आरोप है, जबकि बेकरी उत्पादों पर 18 प्रतिशत का कर होता है।''

सभी धर्मों के अनुयायियों को प्रभावित करता है धार्मिक भेदभाव : भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संयुक्त राष्ट्र/भाषा। भारत ने कहा है कि वह मुसलमानों के खिलाफ धार्मिक असहिष्णुता की घटनाओं की निंदा करने में संयुक्त राष्ट्र के सदस्यों के साथ खड़ा है। साथ ही इस तथ्य को स्वीकार करने की आवश्यकता को रेखांकित किया कि धार्मिक भेदभाव एक व्यापक चुनौती है जो सभी धर्मों के अनुयायियों को प्रभावित कर रही है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी हरीश ने शुक्रवार को कहा, ''भारत विविधता और बहुलता का देश है। हम दुनिया के लगभग हर बड़े धर्म के अनुयायियों का घर हैं और भारत चार विश्व धर्मों अर्थात् हिंदू धर्म, बौद्ध धर्म, जैन धर्म और सिख धर्म का जन्मस्थान रहा है। 20 करोड़ से ज्यादा नागरिक इस्लाम का पालन करते हैं, इसलिए भारत दुनिया की सबसे बड़ी मुस्लिम आबादी वाले देशों में से एक है।'' हरीश ने इस्लामोफोबिया (इस्लाम को लेकर अनावश्यक भय दिखाना) का मुकाबला करने के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस मनाने के लिए संयुक्त राष्ट्र महासभा में पूर्ण अधिवेशन की अनौपचारिक बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि धार्मिक भेदभाव, घृणा और हिंसा से मुक्त विश्व का निर्माण करना अनादि काल से भारत की जीवन पद्धति रही है।

पुतिन की ओर से संघर्ष विराम की शर्तें तय किये जाने के बाद

रूस, यूक्रेन ने एक दूसरे पर हवाई हमले किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कीव/एपी। रूस और यूक्रेन ने शनिवार रात को एक दूसरे पर बड़े पैमाने पर हवाई हमले किये और दोनों पक्षों ने अपने-अपने क्षेत्रों में दुश्मन के 100 से अधिक ड्रोन देखे जाने की सूचना दी। यह हमला रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा अमेरिकी राजदूत स्टीव विटकॉफ से यूक्रेन के साथ युद्ध में 30 दिन के युद्ध विराम के अमेरिकी प्रस्ताव के विवरण पर चर्चा करने के 24 घंटे से भी कम समय बाद हुआ है।

पुतिन ने बृहस्पतिवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि वह सैद्धांतिक रूप में संघर्ष विराम का समर्थन करते हैं, लेकिन उन्होंने कुछ ऐसे मुद्दे भी उठाए जिन्हें इस पर सहमति बनने से पहले स्पष्ट किए जाने की आवश्यकता है।

यूक्रेन ने पहले ही युद्धविराम प्रस्ताव का समर्थन कर दिया है। हालांकि, यूक्रेन के अधिकारियों ने सार्वजनिक रूप से संदेह जताया है कि क्या मॉस्को इस तरह के समझौते के लिए प्रतिबद्ध होगा।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर की मेजबानी में पश्चिमी सहयोगियों के बीच हुई ऑनलाइन बातचीत के बाद शनिवार को कीव में पत्रकारों से बात करते हुए राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने दीर्घकालिक शांति योजना पर चर्चा के लिए 30 दिन के पूर्ण युद्धविराम प्रस्ताव को अपना समर्थन दिया। उन्होंने हालांकि आशंका जताई कि रूस शर्तों और 'लेकिन' के साथ वार्ता को पटरी से उतारने का प्रयास करेगा। स्टॉर्मर ने यूक्रेन में युद्ध विराम का समर्थन करने के लिए पुतिन पर ''दबाव बनाए रखने'' के लिए सहयोगियों से कहा है। उन्होंने यूक्रेन को ''शांति का पक्षकार'' बताया है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने कहा कि पुतिन को ''आज नहीं तो कल'' बातचीत की मेज पर आना ही होगा।

जेलेंस्की ने इससे पहले शनिवार को जारी बयान में रूस पर सेना आगे बढ़ाने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा, ''रूसी सेना का बढ़ना यह दर्शाता है कि मॉस्को कूटनीति को नजरअंदाज करना चाहता है। यह स्पष्ट है कि रूस युद्ध को लंबा खींच रहा है।''

रूस-यूक्रेन युद्ध 24 घंटे में खत्म करने का वादा 'थोड़ा व्यंग्यात्मक' था : ट्रंप

वेस्ट पाम बीच/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान दावा किया था कि वह रूस-यूक्रेन युद्ध को 24 घंटे के भीतर सुलझा सकते हैं, लेकिन उनका यह कथन ''थोड़ा व्यंग्यात्मक'' था। ट्रंप से संबंधित बयान पर सवाल किया गया जिसे उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान कई बार दोहराया था। 'फुल मेजर' टेलीविजन कार्यक्रम के लिए एक साक्षात्कार के दौरान उनसे पूछा गया कि उनके प्रशासन को सत्ता संभाले 54 दिन हो चुके हैं, लेकिन युद्ध का समाधान अभी तक नहीं हो पाया है। रविवार को प्रसारित होने वाले कार्यक्रम से पूर्व जारी क्लिप में ट्रंप ने कहा, ''जब मैंने यह कहा था, तो मैं थोड़ा व्यंग्यात्मक था।

परिसीमन पर 'गलत जानकारी' फैला रहे हैं स्टालिन : किशन रेड्डी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने शनिवार को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन पर लोकसभा क्षेत्रों के परिसीमन के मुद्दे पर 'गलत जानकारी फैलाने' का आरोप लगाया और दावा किया कि स्टालिन अपने कार्यकाल के दौरान उपलब्धियों की कमी को छिपाने के लिए ऐसा कर रहे हैं। भाजपा की तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष किशन रेड्डी ने आरोप लगाया कि द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) तमिलनाडु में आगामी विधानसभा चुनावों से पहले लोगों को 'भड़काने' की कोशिश कर रही है।

रेड्डी ने संवाददाताओं से कहा, स्टालिन को अपने काम के आधार पर वोट मांगना चाहिए। उन्होंने कहा कि परिसीमन पर चर्चा राष्ट्रीय जनगणना के बाद ही होगी।

रेड्डी ने हैदराबाद में बेगमपेट रेलवे स्टेशन पर जारी पुनर्विकास कार्य के निरीक्षण के दौरान कहा कि 90 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है और जल्द ही स्टेशन का उद्घाटन किया जाएगा।

भाषा थोपने या उसका अंधाधुंध विरोध करने से राष्ट्रीय एकजुटता नहीं हासिल होगी : पवन कल्याण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने शनिवार को कहा कि न तो किसी भाषा को जबरन थोपने और न ही उसका अंधाधुंध विरोध करने से राष्ट्रीय और सांस्कृतिक एकजुटता हासिल होती है।

अभिनेता से नेता बने कल्याण ने कहा कि उन्होंने ''कभी हिंदी भाषा का विरोध नहीं किया'' बल्कि उन्होंने केवल ''इसे अनिवार्य बनाने का विरोध किया है।''

जनसेना पार्टी के प्रमुख ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''किसी भाषा को जबरन थोपना या फिर उसका अंधाधुंध विरोध करना, दोनों ही हमारे भारत में राष्ट्रीय और सांस्कृतिक एकजुटता के उद्देश्य को प्राप्त करने में मदद नहीं करते हैं।''

उन्होंने कहा कि चूंकि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में हिंदी को अनिवार्य नहीं किया गया है, इसलिए ''इसे लागू करने के बारे में झूठी बातें फैलाना केवल जनता को गुमराह करने का एक प्रयास है।''

कल्याण के अनुसार, एनईपी 2020 के तहत छात्रों को एक विदेशी भाषा के साथ-साथ अपनी मातृभाषा सहित कोई भी दो भारतीय भाषाएं सीखने की सुविधा है।

मार्क कार्नी ने कनाडा के नए प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली

टोरंटो/एपी। पूर्व केंद्रीय बैंकर मार्क कार्नी ने शुक्रवार को कनाडा के नए प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली और अब वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा शुरू किए गए व्यापार युद्ध, विलय के खतरे और एक संभावित आम चुनाव के बीच अपने देश को आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगे। कार्नी (59) ने प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की जगह ली, जिन्होंने जनवरी में अपने इस्तीफे की घोषणा की थी। लिबरल पार्टी द्वारा नया नेता चुने जाने तक ट्रूडो सत्ता में बने रहे। उम्मीद है कि कार्नी आने वाले दिनों या हफ्तों में आम चुनाव की घोषणा कर सकते हैं। कार्नी ने कहा, ''हम कभी भी, किसी भी तरह से, अमेरिका का हिस्सा नहीं बनेंगे। अमेरिका, कनाडा नहीं है। हम मूल रूप से एक अलग देश हैं।''

तेदेपा नीत सरकार आंध्र प्रदेश को शीर्ष राज्य बनाने की जिम्मेदारी लेगी : मुख्यमंत्री नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वेस्ट गोदावरी/भाषा। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने शनिवार को कहा कि तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) नीत सरकार अगले 23 वर्ष में आंध्र प्रदेश को देश का शीर्ष राज्य बनाने की जिम्मेदारी लेगी।

मुख्यमंत्री ने तनुकू में स्वच्छता पर एक ग्राम सभा को संबोधित करते हुए कहा, अगले 23 वर्ष में आंध्र प्रदेश को देश में नंबर एक बनाना तेदेपा सरकार की जिम्मेदारी है। हम इसकी नींव रखेंगे और योजनाओं को सावधानीपूर्वक लागू करेंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि तेदेपा सरकार विकास, कल्याण और सुशासन के माध्यम से राज्य की प्रगति को आगे बढ़ाएगी।

नायडू ने दावा किया कि 2019 और 2024 के बीच पिछली युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) सरकार के कथित कुशासन के कारण आंध्र प्रदेश पर 10 लाख करोड़ रुपए का कर्ज है।

तेदेपा सुप्रीमो ने कहा कि इस कर्ज के बोझ तले दबे राज्य को ब्याज का भुगतान करना है, मूलधन का भुगतान करना है, राजस्व उत्पन्न करना है और लोगों की चिंताओं का समाधान करना है।

नायडू ने कहा कि लोगों ने बेहतर शासन की उम्मीद में अन्य दलों को वोट दिया लेकिन अगर वह 2004 और 2019 में चुने गए होते तो राज्य 'अधिक ऊंचाइयों को छू सकता था'।

इसके अलावा उन्होंने सरकार द्वारा मई में 'तल्लिकी वंदनम' योजना शुरू करने की घोषणा की, जिसके तहत स्कूल जाने वाले प्रत्येक बच्चे को सालाना 15,000 रुपए दिए जाएंगे।

'तल्लिकी वंदनम' राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के चुनावी वादे 'सुपर सिक्स' के तहत एक वादा है।

स्वर्ण मंदिर में व्यक्ति ने लोहे की रॉड से किया हमला, पांच लोग घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमृतसर/भाषा। स्वर्ण मंदिर में शुक्रवार को एक व्यक्ति ने लोहे की रॉड से हमला कर दिया, जिससे दो सेवादार और तीन श्रद्धालु घायल हो गए। यह जानकारी पुलिस ने दी।

उक्त व्यक्ति को स्वर्ण मंदिर के गुरु रामदास निवास में घूमते देखा गया, जिसे गुरु रामदास सराय भी कहा जाता है। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) के सचिव प्रताप सिंह के अनुसार, जब व्यक्ति से पूछताछ की गई तो वह हिंसक हो गया और उसने एसजीपीसी कर्मियों तथा अन्य लोगों पर हमला कर दिया। पुलिस ने बताया कि उक्त व्यक्ति हरियाणा का रहने वाला है और घटना के बाद एसजीपीसी ने उसे उनके हवाले कर दिया। प्रताप सिंह ने बताया कि घायल हुए तीन श्रद्धालु मोहाली, बठिंडा और पटियाला से आए थे, जबकि अन्य दो श्री दरबार साहिब (स्वर्ण मंदिर) के सेवादार थे। घायलों को गंभीर हालत में श्री गुरु रामदास अस्पताल ले जाया गया। प्रताप सिंह ने बताया कि हमलावर और उसके एक साथी को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया गया है। एसजीपीसी सचिव ने सरकार और कानून प्रवर्तन एजेंसियों से हमलावर के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

एनएसए डोभाल के आवास से चील को बचाया गया, उपचार के बाद छोड़ा गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल के आवास से एक घायल चील को बचाया गया और बाद में वन्यजीव एसओएस की टीम ने उपचार के बाद उसे जंगल में छोड़ दिया। शनिवार को जारी एक बयान में यह जानकारी दी गई है।

बयान में कहा गया कि यह बचाव अभियान बृहस्पतिवार को उस समय शुरू हुआ जब चील को डोभाल के आवास के सुरक्षा नियंत्रण कक्ष के अंदर फंसा हुआ पाया गया।

इसमें कहा गया है कि चील को फर्श पर गिरा हुआ पाया गया, जो पंखों पर चोट के कारण उड़ान भरने में असमर्थ थी।

बयान में कहा गया है कि त्वरित कार्रवाई करते हुए, सुरक्षा कर्मियों ने वन्यजीव एसओएस आपातकालीन हेल्पलाइन से संपर्क किया ताकि पक्षी को तत्काल देखभाल मिल सके।

इसमें कहा गया है कि बचाव दल के पहुंचने से पहले कर्मचारियों ने पक्षी को सावधानीपूर्वक एक सुरक्षित बॉक्स में रख दिया, ताकि उसे और अधिक नुकसान न पहुंचे।

वन्यजीव एसओएस के कर्मियों ने घायल चील को चिकित्सा उपचार और पुनर्वास के लिए उनके पारगमन सुविधा केंद्र में पहुंचाया।

पशु चिकित्सक द्वारा गहन जांच के बाद, चील के पंखों की चोटों का उपचार किया गया और उसे निगरानी में रखा गया।

वाइल्डलाइफ एसओएस के सह-संस्थापक और सीईओ कार्तिक सत्यनारायण ने शहरी वन्यजीवों की सुरक्षा के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ''यह घटना चील जैसे पक्षियों की सुरक्षा की तत्काल आवश्यकता को उजागर करती है, जो अक्सर इमारतों और अन्य मानव निर्मित संरचनाओं से टकराकर घायल हो जाते हैं।''

वाइल्डलाइफ एसओएस की सह-संस्थापक और सचिव गीता शेषमणि ने सुरक्षा कर्मचारियों की प्रशंसा की और कहा कि ''उनकी त्वरित कार्रवाई इस पक्षी की जान बचाने में मददगार रही।''

टिकाऊ जीवनशैली विकल्प सभी के लिए उपलब्ध, सुलभ और किफायती बनाने की जरूरत : जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रल्हाद जोशी ने शनिवार को ऐसे पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली विकल्पों का आह्वान किया जो सभी उपभोक्ताओं के लिए 'उपलब्ध, सुलभ और किफायती' हों और साथ ही बुनियादी अधिकारों और जरूरतों की रक्षा भी करें।

विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस वेबिनार में प्रसारित अपने रिकॉर्ड किए गए वीडियो भाषण में जोशी ने कहा कि 'जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता हानि और प्रदूषण के परस्पर जुड़े संकटों' से निपटने के लिए टिकाऊ जीवनशैली आवश्यक है। उन्होंने कहा, न्यायोचित परिवर्तन यह सुनिश्चित करता है कि पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली में बदलाव लोगों के बुनियादी अधिकारों और जरूरतों को बरकरार रखे। यह 'सबका साथ सबका विकास' के लिए एक अवसर प्रस्तुत करता है, जो लोगों और धरती दोनों के लिए लाभकारी समाधान प्रदान करता है।

मंत्री ने कहा कि उपभोक्ता संरक्षण और स्थिरता को बढ़ावा देना प्राचीन काल से ही भारतीय संस्कृति का हिस्सा रहा है और यह इसके प्रशासन का मूल आधार रहा है। जोशी ने कहा कि सरकार जिम्मेदार उपभोक्ता नीतियों के माध्यम से स्थिरता को बढ़ावा देने में सबसे आगे रही है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार सतत उत्पादों को अधिक किफायती और सुलभ बनाने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही है। उन्होंने कहा, हम उद्योगों को पर्यावरण के अनुकूल विनिर्माण प्रक्रियाओं और सतत नवाचारों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं।

इस कार्यक्रम का विषय 'सतत जीवन शैली के लिए एक न्यायोचित परिवर्तन' था।

जोशी ने कहा कि सरकार 'उपभोक्ता संरक्षण' से आगे बढ़कर 'उपभोक्ता हित' और 'उपभोक्ता देखभाल' को बढ़ावा देने की दिशा में काम कर रही है। जोशी ने आवश्यक वस्तुओं में अस्थिरता को नियंत्रित करने के उद्देश्य से निगरानी तंत्र का उल्लेख किया।

तेलंगाना सुरंग हादसा : लापता सात लोगों की तलाश के लिए रोबोट की मदद ली जा रही

नागरकुरनूल (तेलंगाना)/भाषा। तेलंगाना के नागरकुरनूल में श्रीशैलम लेफ्ट कैनाल (एसएलबीसी) परियोजना की सुरंग का एक हिस्सा ढहने से उसके अंदर फंसे सात लोगों की तलाश में तेजी लाने के लिए शुक्रवार को विशेष उपकरणों से लैस 'हाइड्रोलिक संचालित एक रोबोट' को तैनात किया गया।

तलाश अभियान शुक्रवार को 21 वें दिन भी जारी रहा।

यहां एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि उपकरणों में 30 'हॉर्स पावर' (एचपी) क्षमता का 'लिक्विड रिंग वैक्यूम पंप' और एक 'वैक्यूम टैंक' मशीन शामिल है, जो सुरंग के अंदर मिट्टी को तेजी से हटाने और अन्य कार्यों में सहायक है।

इसमें कहा गया कि नवीनतम तकनीक वाली मशीनों के उपयोग से कार्य को कुशलतापूर्वक करने में मदद मिलेगी।

इससे पहले दिन में, अभियान में शामिल विभिन्न संस्थानों के कर्मी आवश्यक उपकरण लेकर सुरंग के अंदर गए। सरकारी खनन कंपनी 'सिंगरेनी कोलियरीज' के बचावकर्मी, लापता व्यक्तियों की खोज के लिए खनिकों के साथ मिलकर स्थानों पर खुदाई कर रहे हैं।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि रोबोट सुरंग के भीतर 'खतरनाक स्थानों' पर पहुंच सकते हैं, जो इंसान की पहुंच से दूर हो और वे 15 गुना अधिक दक्षता के साथ काम कर सकते हैं।

सुरंग में 24 घंटे तलाशी अभियान जारी है।

सेना, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ), एचआरडीडी, सिंगरेनी कोलियरीज, रोबोटिक्स कंपनी और अन्य टीम इस अभियान में सक्रिय रूप से शामिल हैं।

न्यू इंडिया बैंक मामला: आरोपी सिविल ठेकेदार वडोदरा से गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने न्यू इंडिया कोऑपरेटिव बैंक में 122 करोड़ रुपए के गबन के मामले में एक आरोपी को वडोदरा से गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि सिविल ठेकेदार कपिल देधिया को शुक्रवार को गुजरात के वडोदरा में पकड़ा गया और शनिवार को मुंबई लाया गया। उन्होंने बताया कि यहां की एक स्थानीय अदालत ने उसे 19 मार्च तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

पुलिस के अनुसार गबन की गई राशि में से 12 करोड़ रुपए देधिया के खाते में जमा किए गए थे। उसे इस राशि का एक हिस्सा रियल एस्टेट डेवलपर धर्मेश पौन से मिला था, जो एक अन्य आरोपी है।

देधिया ने मामले में एक अन्य वांछित आरोपी उन्नाथन अरुणाचलम तथा मुख्य आरोपी बैंक के पूर्व महाप्रबंधक एवं लेखा प्रमुख हितेश मेहता से भी धन प्राप्त किया था। अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच जारी है। पुलिस के अनुसार, बैंक के मुंबई स्थित प्रभादेवी और गोरेगांव कार्यालयों की तिजोरियों से 122 करोड़ रुपए का गबन किया गया।

देधिया सहित ईओडब्ल्यू ने अब तक पांच लोगों को गिरफ्तार किया है और कई अन्य को वांछित आरोपी बनाया गया है, जिनमें बैंक के पूर्व अध्यक्ष हिरेन भानु और उनकी पत्नी, पूर्व उपाध्यक्ष गौरी भानु भी शामिल हैं।

अनुष्ठान के दौरान तांत्रिक ने बच्चे को आग पर उल्टा लटकाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिवपुरी/भाषा। मध्यप्रदेश के शिवपुरी जिले में एक तांत्रिक ने भूत भगाने के नाम पर किए गए अनुष्ठान के दौरान छह महीने के बच्चे को आग पर उल्टा लटका दिया, जिससे उसकी आंखों को बुरी तरह से नुकसान पहुंचा। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि पुलिस ने स्वयंभू तांत्रिक की तलाश शुरू कर दी है।

अधिकारियों के मुताबिक, अनुष्ठान के कारण बच्चे की आंखें बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गईं और यह अनुमान लगाना मुश्किल है कि उसकी रोशनी वापस आएगी भी या नहीं।

अधिकारियों के अनुसार, यह चौंकाने वाली घटना 13 मार्च को कोलारस थाना क्षेत्र में हुई, जब बच्चे के माता-पिता उसे तांत्रिक रघुवीर धाकड़ के घर ले गए, ताकि उसकी तकलीफ का इलाज हो सके।

अधिकारियों ने बताया कि धाकड़ ने बच्चे के माता-पिता से कहा कि उनके बेटे पर कुछ साये हावी हो रहे हैं और भूत भगाने के अनुष्ठान के नाम पर बच्चे को आग पर उल्टा लटका दिया।

पुलिस के मुताबिक, यह घटना तब सामने आई, जब बच्चे के माता-पिता उसे शिवपुरी जिला अस्पताल ले गए। पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ ने बताया, लड़के का इलाज किया जा रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए गांव के कोटवार जनवेद परिहार की शिकायत पर धाकड़ के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस के अनुसार, धाकड़ को अभी गिरफ्तार नहीं किया गया है, क्योंकि मामले की जांच जारी है।

शिवपुरी जिला अस्पताल के नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. गिरीश चतुर्वेदी ने बताया कि बच्चे की आंखें बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई हैं और उसे सघन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में भर्ती कराया गया है। उन्होंने कहा, 72 घंटे बाद ही पता चलेगा कि उसकी आंखों की रोशनी वापस आएगी या नहीं। उसकी आंखों में गंभीर चोट है।

महाराष्ट्र में किसानों की आत्महत्या के आंकड़े चिंताजनक, केंद्र को नीति बनानी चाहिए: पवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बारामती/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के अध्यक्ष शरद पवार ने शनिवार को मराठवाड़ा और विदर्भ में किसानों की आत्महत्या के मामलों को लेकर चिंता व्यक्त की और कहा कि केंद्र को किसानों की मदद के लिए नीति लानी चाहिए।

पवार का यह बयान राज्य राहत एवं पुनर्वास विभाग द्वारा जारी आंकड़ों की पृष्ठभूमि में आया है, जिसमें खुलासा हुआ है कि 2024 में महाराष्ट्र में 2,635 किसानों ने आत्महत्या की है। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, ''मराठवाड़ा और विदर्भ से जो जानकारी आई है, वह चिंताजनक है। हम विभिन्न स्थानों से सटीक आंकड़े एकत्र करेंगे। केंद्र को किसानों की मदद के लिए नीति तैयार करनी चाहिए।'' राकांपा (एसपी) नेता जयंत पाटिल के अजित पवार के नेतृत्व वाले पार्टी के गुट में शामिल होने की अटकलों पर वरिष्ठ नेता ने कहा कि पाटिल पहले ही मीडिया को अपना बयान दे चुके हैं।

पाटिल ने शुक्रवार को बारामती में एक कार्यक्रम में राकांपा (एसपी) प्रमुख से मुलाकात की थी और बाद में कहा था कि वह परेशान नहीं हैं और उनके बयान से गलत निष्कर्ष निकाला गया है। पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री पवार ने कहा कि खेती में क्रांति आ रही है और जल्द ही गन्ने की खेती में कृत्रिम मेधा (एआई) का इस्तेमाल किया जाएगा। उन्होंने कहा, ''एआई तकनीक का इस्तेमाल गन्ने की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए किया जा सकता है। एआई खेती की प्रक्रिया में कई चीनी मिल हिस्सा लेंगी। चीनी मिलों के कुछ अधिकारियों के साथ आज शाम एक बैठक होने वाली है। जल्द ही एक क्रांतिकारी निर्णय लिया जाएगा और खेती में एआई का इस्तेमाल जल्द ही शुरू हो जाएगा।''

पवार ने कहा कि बीड, जो सरपंच संतोष देशमुख की हत्या के लिए चर्चा में रहा है, कभी एक शांतिपूर्ण जिला था। उन्होंने कहा, ''बीड में स्थिति कभी ऐसी नहीं थी। यह कभी शांतिपूर्ण जिला था। बीड से मेरी पार्टी के छह लोग चुने गए। हालांकि, उनमें से कुछ ने अपनी शक्ति का दुरुपयोग किया और हम इसके परिणाम देख रहे हैं।''

अर्थव्यवस्था की स्थिति से जुड़ी चिंताओं को आखिर कब सुनेंगे प्रधानमंत्री: कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शनिवार को कहा कि कई आर्थिक विश्लेषक और विशेषज्ञ अर्थव्यवस्था की स्थिति पर लगातार चिंता जता रहे हैं, आखिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इन्हें कब सुनेंगे।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि एक पॉडकास्ट में मार्सेलस इंवेस्टमेंट्स के मुख्य निवेश अधिकारी सौरभ मुखर्जी ने भारतीय अर्थव्यवस्था पर मंडरा रहे तीन बड़े खतरों की ओर संकेत किया है। उन्होंने कहा कि महीनों से कांग्रेस इन खतरों के बारे में आगाह कर रही है। उनके मुताबिक, मुखर्जी ने कहा है कि कामकाजी भारतीयों की वास्तविक आय में ठहराव, जो एक दशक से भी अधिक समय से बना हुआ है, यह बेहद चिंताजनक है। खपत में बढ़ोतरी, जो पूरी तरह से ऋण विस्तार पर निर्भर है और इस कारण अत्यधिक अस्थिर है। रमेश ने कहा कि मुखर्जी ने बढ़ती आर्थिक असमानता की ओर भी संकेत दिया है, जिसमें अमीरों की संपत्ति तेज़ी से बढ़ रही है, जबकि मध्यम वर्ग की स्थिति जस की तस बनी हुई है।

कैबिनेट सहयोगी प्रवेश वर्मा और मेरा रिश्ता भाई-बहन जैसा: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को कहा कि कैबिनेट सहयोगी प्रवेश वर्मा के साथ उनका रिश्ता भाई-बहन जैसा है। प्रवेश वर्मा दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत साहिब सिंह वर्मा के बेटे हैं।

गुप्ता ने कहा कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि मुख्यमंत्री की कुर्सी किसके पास है। उन्होंने प्रवेश वर्मा के साथ मिलकर दिल्ली के लिए दिवंगत भाजपा नेता (साहिब सिंह वर्मा) के सपनों को पूरा करने का संकल्प लिया। रेखा गुप्ता ने साहिब सिंह वर्मा की 82वीं जयंती पर मुंडका में उनके स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की। गुप्ता ने कहा, प्रवेश वर्मा को भी मुख्यमंत्री बनाया जा सकता था और मुझे मंत्री, अगर ऐसा होता तब भी चीजें मेरे लिए वैसी ही होतीं। रेखा गुप्ता ने कहा कि भारतीय समाज में परंपरागत रूप से बड़ी बहन को पहले जिम्मेदारी दी जाती है।

साथ ही उन्होंने इस बात को लेकर खुशी जताई कि 'बहन' अब दिल्ली की मुख्यमंत्री है और 'भाई' मंत्री है। भाजपा ने पांच फरवरी को हुए विधानसभा चुनाव में जीत हासिल कर अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी (आप) के 10 साल के शासन को समाप्त कर दिया और 26 साल से अधिक समय के बाद राजधानी में सरकार बनाई। आठ फरवरी को चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद प्रवेश वर्मा को मुख्यमंत्री पद की दौड़ में सबसे आगे माना जा रहा था। प्रवेश वर्मा के साथ बैठी गुप्ता ने कहा कि उनका और भाजपा नेता का भाई-बहन का रिश्ता है। साथ ही कहा कि साहिब सिंह वर्मा के दोनों बच्चों में से एक मुख्यमंत्री हैं और दूसरा मंत्री।

गुप्ता ने दिल्ली के विकास में दिवंगत नेता के योगदान की भी प्रशंसा की तथा उनके कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। गुप्ता ने कहा, साहिब सिंह वर्मा के अधूरे काम को आगे बढ़ाने के लिए हम भाई-बहन की तरह मिलकर काम करेंगे। एक घटना को याद करते हुए गुप्ता ने कहा कि जब वह दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) की अध्यक्ष बनीं तो उस समय मुख्यमंत्री रहे साहिब सिंह ने उन्हें बधाई देने और प्रोत्साहित करने के लिए फोन किया था। दीर्घकालिक विकास परियोजनाओं के लिए अपने पिता के दृष्टिकोण पर प्रकाश डालते हुए प्रवेश वर्मा ने कहा, हमारा लक्ष्य ऐसे कार्य करना है जो न केवल पांच वर्षों के लिए, बल्कि अगले 50 वर्षों के लिए लाभकारी हों।

मुंडका गांव में 15 मार्च 1943 को जन्मे साहिब सिंह वर्मा 27 फरवरी 1996 से 12 अक्टूबर 1998 तक दिल्ली के चौथे मुख्यमंत्री के रूप में काम किया। उनका 30 जून 2007 को 64 वर्ष की आयु में निधन हुआ।

भारत, चीन के व्यापार में दिसंबर तिमाही में मजबूत वृद्धि: संयुक्त राष्ट्र रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संयुक्त राष्ट्र/भाषा। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि विकासशील देशों, विशेष रूप से भारत और चीन ने 2024 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में औसत से बेहतर व्यापार विस्तार देखा। रिपोर्ट में हालांकि, आगामी तिमाहियों में वैश्विक स्तर पर 'आर्थिक मंदी की संभावना' की चेतावनी दी गई है। संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास (यूएनसीटीएडी) द्वारा नवीनतम वैश्विक व्यापार अपडेट, जो मार्च की शुरुआत तक के आंकड़ों को कवर करता है, ने कहा कि 2024 में वैश्विक व्यापार लगभग 1,200 अरब डॉलर यानी नौ प्रतिशत के विस्तार के साथ 33,000 अरब डॉलर तक पहुंच गया।

रिपोर्ट में कहा गया, विकासशील देशों, विशेषकर चीन और भारत में औसत से बेहतर व्यापार विस्तार हुआ, जबकि कई विकसित देशों में व्यापार संकुचन हुआ। इसमें कहा गया है कि चीन और भारत ने 2024 की चौथी तिमाही में मजबूत व्यापार गति देखी, जबकि अमेरिका एक प्रमुख चालक बना रहा। साल 2024 की चौथी तिमाही में प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापारिक व्यापार ने मिश्रित रुझान दिखाए। चीन और भारत के व्यापार में, विशेष रूप से निर्यात में वृद्धि जारी रही। इसके विपरीत, दक्षिण कोरिया में निर्यात वृद्धि में कमी आई, हालांकि यह वार्षिक आधार पर प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे अधिक रही। अमेरिका में, 2024 की चौथी तिमाही में आयात वृद्धि सकारात्मक रही, जबकि निर्यात वृद्धि घट गई। जापान, रूस, दक्षिण अफ्रीका और यूरोपीय संघ के लिए तिमाही और वार्षिक दोनों आधार पर आयात वृद्धि के रुझान नकारात्मक रहे। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत ने 2024 की चौथी तिमाही में माल व्यापार में तिमाही आधार पर आठ प्रतिशत की आयात वृद्धि दर्ज की और वार्षिक आयात में छह प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जबकि वस्तुओं में तिमाही निर्यात वृद्धि सात प्रतिशत और वार्षिक निर्यात वृद्धि दो प्रतिशत रही।

साल 2024 की चौथी तिमाही में सेवा व्यापार में वृद्धि जारी रही। हालांकि, यह वार्षिक आंकड़ों की तुलना में धीमी गति रही। यह दर्शाता है कि सेवा व्यापार में सकारात्मक रुझान अधिकांश अर्थव्यवस्थाओं के लिए स्थिर हो सकता है। भारत और दक्षिण अफ्रीका के लिए सेवा व्यापार में वृद्धि मजबूत रही।

द्रमुक सरकार ने तमिलनाडु विधानसभा में 2025-26 का बजट पेश किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन के नेतृत्व वाली राज्य की द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार ने शुक्रवार को विधानसभा में अपना बजट 2025-26 पेश किया, जो अगले साल राज्य में होने वाले चुनाव से पहले एक पूर्ण कवायद थी। द्रमुक सरकार ने बजट में महिलाओं के लिए किराया-मुक्त बस यात्रा योजना सहित अपनी प्रमुख कल्याणकारी योजनाओं के लिए बड़े आवंटन किए और महिलाओं के नाम पर पंजीकृत होने वाली अचल संपत्तियों के रजिस्ट्री शुल्क में एक प्रतिशत की कटौती की घोषणा की। सरकार की ओर से पेश किये गए आंकड़ों अनुसार राज्य पर बकाया कर्ज 9 लाख करोड़ रुपये से अधिक होने का अनुमान है। मुख्य विपक्षी दल अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने ऋण को लेकर सरकार की आलोचना की।

इससे पहले विधानसभा में उस समय हंगामा देखने को मिला जब मुख्य विपक्षी दल अन्नाद्रमुक ने राज्य संचालित तमिलनाडु स्टेट मार्केटिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड' (टीएएसएमएसी) में 1000 करोड़ रुपये के कथित भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाने का प्रयास करने के बाद सदन से बहिर्गमन किया। विपक्ष के नेता ई.के. पलानीस्वामी के नेतृत्व में उनकी पार्टी के विधायकों ने बहिर्गमन किया। पलानीस्वामी ने संवाददाताओं से कहा कि अन्नाद्रमुक ने द्रमुक सरकार से 'टीएएसएमएसी घोटाले' के लिए नैतिक जिम्मेदारी लेने और इस्तीफा देने के लिए कहा तथा इस मुद्दे पर बहिर्गमन किया। भाजपा सदस्यों ने भी इसी तरह के मुद्दे पर बहिर्गमन किया और रुपये का चिह्न बदलने के सरकार के कदम का विरोध किया।

वित्त मंत्री थंगम थेनारासु बजट पेश करते हुए करीब दो घंटे 38 मिनट तक बोले। उन्होंने महिलाओं के लिए कई तरह की पेशकश की, जिसमें उनके नाम पर पंजीकृत होने वाली संपत्ति की रजिस्ट्री शुल्क में एक प्रतिशत की कटौती भी शामिल है। इसके अलावा, मंत्री ने घोषणा की कि एक अप्रैल, 2025 से महिलाओं के नाम पर पंजीकृत होने पर 10 लाख रुपये तक के मूल्य के मकान, भूखंड और कृषि भूमि सहित सभी अचल संपत्तियों के रजिस्ट्री शुल्क में एक प्रतिशत की कमी की जाएगी। थेनारासु ने कहा कि किराया-मुक्त बस सेवाओं का उपयोग करने वाली महिलाओं की संख्या 40 प्रतिशत से बढ़कर 65 प्रतिशत हो गई है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2025-26 के लिए सरकार ने बजट अनुमान में इस योजना के लिए 3,600 करोड़ रुपये की सब्सिडी आवंटित की है। उन्होंने कहा कि एक बड़ी पहल की जाएगी जिसके तहत 10 लाख रुपये तक के बैंक ऋण तक पहुंच उपलब्ध करायी जाएगी, साथ ही एक लाख महिलाओं को उद्यमी बनाने के लिए 20 प्रतिशत सब्सिडी भी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि 1.15 करोड़ महिलाओं के लिए 1,000 रुपये मासिक सहायता के लिए योजना कलैगनार मगलिर उरीमाई थिट्टम' को लेकर 13,807 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। उन्होंने घोषणा की कि ऐसी पात्र महिलाएं जिन्हें अभी तक 1,000 रुपये की सहायता नहीं मिली है, उन्हें जल्द ही आवेदन करने का अवसर मिलेगा।

उन्होंने कामकाजी महिलाओं के लिए 77 करोड़ रुपये के खर्च से 10 और तोझी' हॉस्टल की घोषणा की जबकि राज्य में फिलहाल इस तरह के 13 हॉस्टल हैं। सरकार ने 2025-26 के लिए अपनी राजस्व प्राप्तियां 3,31,569 करोड़ रुपये रहने का अनुमान जताया है। सरकार ने कहा कि 2025-26 में उसके स्वयं के करों से राजस्व में 14.6 प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान है। इसके अनुसार वर्ष 2025-26 में सरकार का कुल व्यय 4,39,293 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है, जो 2024-25 की तुलना में 9.95 प्रतिशत अधिक है। सरकार के अनुसार इसका एक बड़ा हिस्सा कल्याणकारी योजनाओं पर खर्च किया जाएगा। सरकार के अनुसार राजकोषीय घाटा 1,06,963 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। 31 मार्च, 2026 तक कुल ऋण 9,29,959.30 करोड़ रुपये होगा। शिक्षा क्षेत्र को 55,261 करोड़ रुपये के साथ आवंटन का सबसे बड़ा हिस्सा मिला। थेनारासु ने कहा कि मुख्यमंत्री नाश्ता योजना का विस्तार किया जाएगा और इसके लिए 600 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि अगले दो वर्षों में बीस लाख कॉलेज छात्रों को उनकी पसंद के आधार पर टैबलेट या लैपटॉप प्रदान किया जाएगा और 2025-26 में इस योजना के लिए 2,000 करोड़ रुपये आवंटित किए जाएंगे।

उन्होंने रामेश्वरम में एक नया हवाई अड्डा, चेन्नई के निकट परान्दुर में एक नया हवाई अड्डा स्थापित करने के लिए कार्य में तेजी लाने, राज्य की राजधानी के निकट एक विश्व स्तरीय सुविधाओं से युक्त उपनगर तथा सरकारी कर्मचारियों के लिए अर्जित अवकाश 'सरेंडर सिस्टम' की बहाली आदि घोषणाएं कीं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने विभिन्न छात्र कल्याण योजनाओं को सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया। उन्होंने कहा, विशेष रूप से मौलिक साक्षरता सुनिश्चित करने के लिए 'एन्नुम एझुथुम थिट्टम' जैसी पहल, दिव्यांग बच्चों के लिए विशेष शिक्षा, दूरदराज के क्षेत्रों के छात्रों के लिए परिवहन भत्ता, शिक्षकों के लिए वेतन, छात्रों के भविष्य को आकार देने के लिए उच्च शिक्षा के लिए मार्गदर्शन, प्रतिभाओं को मंच देने के लिए कला उत्सव, शैक्षिक भ्रमण और स्कूलों में इंटरनेट सुविधाओं सहित बुनियादी ढांचे का विकास, प्रगति पर है।''

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा तमिलनाडु को 2,152 करोड़ रुपये की राशि राज्य द्वारा त्रि-भाषा नीति सहित राष्ट्रीय शिक्षा नीति को स्वीकार न करने का हवाला देते हुए रोक दिए जाने के बावजूद, राज्य सरकार ने छात्रों के कल्याण को ध्यान में रखते हुए, अपने संसाधनों से धन आवंटित किया। उन्होंने कहा कि ऐसा यह सुनिश्चित करने के लिए किया गया कि सरकारी स्कूल के छात्रों की शिक्षा प्रभावित न हो।

कलैगनार कनवु इल्लम आवास योजना के तहत एक लाख नये मकानों के लिए 3,500 करोड़ रुपये, मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क विकास योजना के लिए 2,200 करोड़ रुपये, चेन्नई में 'स्पॉन्ज पार्क' के लिए 88 करोड़ रुपये के आवंटन की घोषणा की गई। 'स्पॉन्ज पार्क' से भूजल स्तर को सुधारने और बाढ़ से लड़ने में मदद मिलेगी। साथ ही यह भी घोषणा की गई कि कल्याण बोर्ड में पंजीकृत '2,000 गिग' श्रमिकों को नए इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने के लिए 20,000 रुपये की सब्सिडी प्रदान करने के लिए एक नयी योजना शुरू की जाएगी।

शुक्रवार को पेश किए गए बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए, पलानीस्वामी ने सवाल किया कि सरकार उन्हें लागू करने के लिए आवश्यक धन का प्रबंधन कैसे करेगी। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि इसके अलावा, 2021 में चुनाव के दौरान किए गए 525 वादों में से 15 प्रतिशत भी लागू नहीं किए गए हैं, लेकिन मुख्यमंत्री स्टालिन का दावा है कि 95 प्रतिशत वादे पूरे किये गए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया, यह सरकार केवल प्रचार पर चल रही है।

तमिलनाडु की भाजपा इकाई प्रमुख के. अन्नामलाई ने ऋण की स्थिति को 'अभूतपूर्व' बताया। उन्होंने संकेत दिया कि बजट में कोई बड़ी घोषणा नहीं की गई है, उन्होंने कहा कि केवल एक सादा पन्ना पेश किया जा सकता था।

तमिलनाडु में 1,112 करोड़ रुपये से दो इलेक्ट्रॉनिक्स क्लुस्टर स्थापित किए जाएंगे : वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को कहा कि तमिलनाडु में 1,112 करोड़ रुपये की लागत से दो इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्लस्टर स्थापित किए जाएंगे। यहां से लगभग 55 किलोमीटर दूर श्रीपेरंबदूर में जेटवर्क इलेक्ट्रॉनिक्स की सातवीं विनिर्माण सुविधा के उद्घाटन के अवसर पर वैष्णव ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग पिछले एक दशक में कई पारंपरिक उद्योगों को पीछे छोड़ते हुए देश का दूसरा सबसे बड़ा निर्यात क्षेत्र बन गया है।

यह नई सुविधा, 1,000 करोड़ रुपये के निवेश का हिस्सा है, जो उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं और आईटी हार्डवेयर सहित विभिन्न क्षेत्रों के लिए इलेक्ट्रॉनिक घटकों का उत्पादन करेगी और भविष्य में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय, दोनों बाजारों की सेवा करेगी। ज़ेटवर्क इलेक्ट्रॉनिक्स के संयंत्र के उद्घाटन के अवसर पर वैष्णव ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग ने किस तरह तेजी से वृद्धि की है और कई लंबे समय से चल रहे निर्यात उद्योगों को पीछे छोड़ दिया है।

ज़ेटवर्क इलेक्ट्रॉनिक्स के सह-संस्थापक राहुल शर्मा ने बताया कि यह नया संयंत्र भारत में कंपनी का सातवां संयंत्र है और यह 1,000 करोड़ रुपये के निवेश का हिस्सा है। श्रीपेरंबदूर स्थित यह संयंत्र एक प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र में स्थित है, जहां लगभग 1,500 लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है।

इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण को बढ़ावा देने के प्रयास में वैष्णव ने कहा कि सरकार तमिलनाडु में दो इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्लस्टर स्थापित करने के लिए 1,112 करोड़ रुपये का निवेश करेगी।

चेन्नई से हरियाणा जा रहे स्क्रैप से भरे ट्रक को लूटने वाले गिरोह से मुठभेड़, 4 बदमाश घायल

चेन्नई/मथुरा। उत्तर प्रदेश के मथुरा में पुलिस ने लूटे गए स्क्रैप से भरे ट्रक को बेचने के लिए ले जा रहे गिरोह से मुठभेड़ में छह लुटेरों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस ने चार बदमाशों को घायल कर कुल आधा दर्जन लुटेरों को गिरफ्तार कर लूटा गया पूरा माल बरामद करने का दावा किया है।

पुलिस अधीक्षक ग्रामीण त्रिगुण बिसेन ने बताया कि उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान एवं मध्यप्रदेश के बदमाशों द्वारा मिलकर बनाए गए इस गिरोह ने इस वारदात को अंजाम चेन्नई की मेटल एण्ड एलॉयज पिल्लर कोडल इण्डस्ट्रीज के अलवर निवासी ट्रक चालक असलम की मिलीभगत से पांच मार्च को उस समय किया था, जब वह चेन्नई से सात मीट्रिक टन स्क्रैप को हरियाणा के कुण्डली में सप्लाई करने के लिए मथुरा होकर ले जा रहा था। उन्होंने बताया कि कोसीकलां के निकट से गुजरते समय ट्रक के जीपीएस ने काम करना बंद कर दिया और चालक का फोन भी बंद मिला। तब शंका होने पर मालिक ने मथुरा में पुलिस को सूचित किया। उक्त कंपनी के मैनेजर विक्रम सिंह ने पुलिस उप महानिरीक्षक से मुलाकात कर ट्रक की बरामदगी की मांग की।

एनसीएलटी की चेन्नई पीठ के आदेश के खिलाफ एनसीएलएटी ने जांच का निर्देश दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। अपीलीय न्यायाधिकरण एनसीएलएटी ने राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की चेन्नई पीठ के एक आदेश की जांच का निर्देश दिया है।

राष्ट्रीय कंपनी कानून अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने एनसीएलटी के अध्यक्ष को 15 मार्च, 2022 के उसके एक आदेश की जांच करने का निर्देश दिया है।

एनसीएलएटी ने कहा कि वह इस तथ्य की अनदेखी नहीं कर सकता कि जिस तरह से 15 मार्च 2022 का आदेश पारित किया गया है, वह संदिग्ध और भरोसे लायक नहीं लगता है। अपीलीय न्यायाधिकरण ने कहा कि मामले में तथ्य और प्रस्तुतियां एनसीएलटी के कामकाज पर सवाल उठाती हैं।

न्यायिक सदस्य न्यायमूर्ति शरद कुमार शर्मा और तकनीकी सदस्य जतिंद्रनाथ स्वैन की दो सदस्यीय पीठ ने कहा, एनसीएलटी के अध्यक्ष से अनुरोध है कि वे इस मुद्दे पर, खास तौर पर एनसीएलटी की कार्यवाही में निष्पक्षता लाने के लिए गौर करें और जांच करें, ताकि इन प्रमुख मुद्दों पर आम जनता में विश्वास कायम हो सके।

पिछले सप्ताह आदेश पारित करते हुए एनसीएलएटी की चेन्नई पीठ ने कहा, जैसे ही माननीय अध्यक्ष द्वारा उपरोक्त प्रक्रिया पूरी कर ली जाती है, उनसे अनुरोध है कि वे आगे की जरूरी कार्रवाई के लिए रिपोर्ट माननीय अध्यक्ष, नयी दिल्ली को (एक प्रति हमें भी) वापस भेजें।

अपीलीय न्यायाधिकरण का यह निर्देश परिसंपत्ति पुनर्गठन कंपनी (इंडिया) लिमिटेड की याचिका पर सुनवाई के दौरान आया।

एनसीएलएटी ने हालांकि अपील को खारिज कर दिया, लेकिन अपीलीय न्यायाधिकरण ने कहा कि वह 15 मार्च, 2022 के आदेश को पारित करने के तरीके को नजरअंदाज नहीं कर सकता। अपने दो पन्नों के आदेश में एनसीएलएटी ने एनसीएलटी के आदेश में अनियमितताओं पर प्रकाश डाला।

दसवीं कक्षा के दो छात्र मृत पाए गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के तिरुवनंतपुरम जिले में शनिवार को अलग-अलग घटनाओं में दसवीं कक्षा के दो छात्र अपने घरों में मृत पाए गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि अट्टिंगल में 15 वर्षीय एक लड़का अपने घर के शयनकक्ष में फंदे से लटका हुआ मिला जबकि यहां के निकट मरानाल्लूर में भी 15 वर्षीय एक लड़की अपने घर में एक पंखे से फंदे के जरिये लटकी हुई मिली। केरल में ये घटनाएं ऐसे समय में हुई हैं जब यहां दसवीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाएं जारी हैं। पुलिस ने बताया कि प्रथम दृष्टया दोनों मामले आत्महत्या के प्रतीत होते हैं तथा जांच शुरू कर दी गई है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश प्रभु कज्ञ सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्रीश्रीमाल बालड़ परिवार एवं टीम ट्रेडिंग कॉरपोरेशन द्वारा पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश प्रभु को राष्ट्र के प्रति उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए चेन्नई के होटल ताज में आयोजित एक कार्यक्रम में सम्मानित किया गया।

उनके साथ दो प्रतिष्ठित कानून विशेषज्ञों आर. शंकर नारायणन अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल मद्रास उच्च न्यायालय तथा वरिष्ठ वकील जयेश डोलिया को भी सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि लोगों को इस अपार स्नेह के लिए धन्यवाद कैसे दिया जाए। उन्होंने कहा कि जब वह केंद्रीय ऊर्जा मंत्री थे तब उन्होंने बिजली की कमी से निपटने के लिए बहुत सारे प्रयास किए उन्होंने कई परियोजनाओं का शुभारंभ किया

उन्होंने कहा कि उस समय की मुख्यमंत्री सुश्री जयललिता तथा चंद्रबाबू नायडू ने उनके द्वारा शुरू की गई बिजली परियोजनाओं के लिए अपनी सहमति दी थी। सुश्री जयललिता ने उस समय राज्य में मुफ्त बिजली देने की घोषणा की थी जो उस समय का एक बड़ा रिकॉर्ड था। सम्मान समारोह कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने कहा कि वह कभी चुनाव नहीं लड़ना चाहते थे क्योंकि वह गैर सरकारी संगठनों के लिए तथा एक बैंक प्रमुख के रूप में कार्य कर रहे थे परंतु उन्हें चुनाव लड़ाया गया तथा चुनाव जीतने के लिए कहा गया। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों तथा कार्यक्रम आयोजकों ने सुरेश प्रभु के द्वारा देश के उत्थान तथा प्रगति हेतु उनके योगदान के लिए आभार प्रकट किया। ज्ञातव्य है कि चेन्नई के श्रीश्रीमाल बालड़ परिवार एवं टीम ट्रेडिंग कॉरपोरेशन उन व्यक्तियों को मान्यता देने के लिए समर्पित है जिन्होंने देश के भविष्य को आकार देने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

पॉलिटेक्निक कॉलेज हॉस्टल से दो किग्रा. गांजा बरामद, पांच गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। केरल पुलिस ने शनिवार को यहां कलमस्सेरी स्थित सरकारी पॉलिटेक्निक कॉलेज के पुरुष छात्रावास से दो किलोग्राम गांजा बरामद करने के मामले में दो ओर लोगों को गिरफ्तार किया है, जिससे अब तक इस मामले में कुल पांच लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। पुलिस ने शनिवार को छात्रावास में नशीले पदार्थों की आपूर्ति करने वाले कॉलेज के दो पूर्व छात्रों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान अशिक और शारिल के रूप में की गयी है।

पुलिस ने बताया कि मामले में पहले गिरफ्तार किए गए छात्रों के बयानों के माध्यम से उनकी संलिप्तता सामने आने के बाद उन्हें आज सुबह हिरासत में ले लिया गया तथा विस्तृत पूछताछ के बाद उनकी गिरफ्तारी की गई। पुलिस ने बताया कि इस मामले में अब तक पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। थ्रिक्काकारा के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) पी.वी. बेबी ने कहा कि आरोपियों ने पूछताछ के दौरान कुछ अहम जानकारियां दी हैं, लेकिन पुलिस ठोस सबूत मिलने के बाद ही अपने निष्कर्षों की पुष्टि करेगी। एसीपी ने संवाददाताओं से कहा, इस समय अधिक विवरण का खुलासा नहीं किया जा सकता क्योंकि मामले में छात्र शामिल हैं। अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि आरोपी मांग के आधार पर मादक पदार्थ की आपूर्ति करते थे। एसीपी बेबी ने बताया, यह पहली बार है जब वे कथित तौर पर इतनी बड़ी मात्रा में गांजा छात्रावास में लाए थे। हालांकि, इससे पहले भी उन्होंने गांजा की आपूर्ति की थी। उन्होंने कहा कि दोनों आरोपियों ने पिछले साल कॉलेज से अपनी पढ़ाई पूरी की थी और मामले में उनकी भूमिका पूरी तरह से तब स्थापित होगी जब पुष्ट करने वाले सबूत मिल जाएंगे। एसीपी ने मामले में और लोगों के शामिल होने के संकेत दिए है।

पुलिस ने मादक पदार्थों पर कड़ी कार्रवाई के तहत बृहस्पतिवार रात छापेमारी की थी और तीन छात्रों को गिरफ्तार किया था।

उन्होंने बताया कि दो छात्रों को थाने से ज़मानत पर रिहा कर दिया गया। कुलथुपुझा, कोल्लम के 21 वर्षीय आकाश एम. को शुक्रवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। उसके कमरे से 1.909 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि हरिपद, अलप्पुझा के 20 वर्षीय अदित्यन और करुणागप्पली, कोल्लम के 21 वर्षीय अभिराज आर. के पास से 9.70 ग्राम गांजा बरामद किया गया। उन्हें थाने से ज़मानत पर रिहा कर दिया गया।

कॉलेज प्रशासन ने इस मामले में तीनों छात्रों को निलंबित कर दिया है और आंतरिक जांच के आदेश दिए हैं।

पुलिस का मानना है कि यह मामला व्यक्तिगत उपभोग और बिक्री, दोनों से जुड़ा हो सकता है। पुलिस का कहना है कि यह छापेमारी होली से पहले बड़े पैमाने पर गांजे का भंडारण किए जाने की गुप्त सूचना के आधार पर की गई थी। मामले में अभी और गिरफ्तारियां हो सकती हैं। अधिकारियों ने कहा कि छापेमारी बृहस्पतिवार रात को शुरू हुई और शुक्रवार सुबह चार बजे तक चली। इस घटना के बाद छात्र संगठनों, केरल स्टूडेंट्स यूनियन (केएसयू) और स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) के बीच छात्र कार्यकर्ताओं की संलिप्तता को लेकर आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है।

मंदिर उत्सव में डीवॉयएफआई के झंडे लगे होने पर सतर्कता जांच के आदेश

तिरुवनंतपुरम। केरल के कोल्लम जिले के एक मंदिर में उत्सव में डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया (डीवॉयएफआई) के झंडे लगाने और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के गुणगान वाले गीतों के प्रदर्शन के मामले में त्रावणकोर देवस्व ओम बोर्ड (टीडीबी) ने जांच के आदेश दिए हैं। बोर्ड के अध्यक्ष पी. एस. प्रशांत ने शनिवार को बताया कि मंदिरों के अंदर राजनीतिक झंडे या प्रतीकों के प्रदर्शन पर अदालतों ने सख्त प्रतिबंध लगाया है। इस संबंध में बोर्ड ने पहले ही सभी मंदिरों को परिपत्र जारी किया था। उन्होंने टीवी चैनल से कहा, इस मंदिर उत्सव के कार्यक्रम प्रबंधन समिति द्वारा आयोजित किए गए थे। जैसे ही हमें इस घटना की जानकारी मिली, हमने उन्हें नोटिस जारी करने का आदेश दिया। हमने इस मामले में सतर्कता जांच के आदेश भी दिए हैं और रिपोर्ट आने के बाद दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया (डीवॉयएफआई) माकपा की युवा इकाई है।

नाबालिग बेटे के कार चलाने का वीडियो वायरल, पिता पर मामला दर्ज

कोझिकोड/भाषा। केरल में 13 वर्षीय किशोर द्वारा सार्वजनिक सड़क पर कार चलाए जाने का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने उसके पिता के खिलाफ मामला दर्ज किया है। वीडियो में लड़का एक इनोवा कार चलाते हुए दिखाई देता है। बताया जाता है कि यह वीडियो उत्तर केरल जिले के चेक्कियाड इलाके में उसके घर के पास रिकॉर्ड किया गया था। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि वीडियो पिछले साल अक्टूबर में सोशल मीडिया पर अपलोड किया गया था, लेकिन पुलिस को हाल ही में इसकी जानकारी मिली। उन्होंने कहा कि इसके बाद इस हफ्ते मामले में कार्रवाई की गई। किशोर के पिता की पहचान 37 वर्षीय नौशाद के रूप में हुई है। पुलिस अधिकारी ने कहा, आरोपी ने अक्टूबर में यह वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड किया था। किसी ने हाल ही में हमारे 'शुभयात्रा' पोर्टल पर यह वीडियो साझा किया जिसके बाद हमने तत्काल कार्रवाई की। यह स्पष्ट रूप से एक अपराध है। 'शुभयात्रा' केरल पुलिस की एक पहल है जो यातायात नियमों के उल्लंघन की जानकारी प्राप्त करने के लिए शुरू की गई है। किशोर के पिता के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 125 और मोटर वाहन अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

शिल्पा शेट्टी के साथ मनाया महिला दिवस समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। इस वर्ष का महिला दिवस समारोह वास्तव में एक अद्भुत अवसर था, जहां प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेत्री और फिटनेस आइकन शिल्पा शेट्टी हमारे विशिष्ट अतिथि वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं। शिल्पा ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में स्वास्थ्य और सचेत भोजन के महत्व पर जोर दिया।

उन्होंने बताया कि अच्छा स्वास्थ्य बनाए रखना पूरी तरह से हमारे अपने हाथ में है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि हम क्या खा रहे हैं और किन चीजों से परहेज कर रहे हैं। उन्होंने छह से सात दशक पहले के पारंपरिक भारतीय खान-पान के पोषण मूल्य पर प्रकाश डाला, जिससे हमारे पूर्वजों को मजबूती और जीवन शक्ति मिलती थी।

इसके विपरीत, उन्होंने आधुनिक जीवनशैली में पाश्चात्य जंक फूड और कार्बोनेटेड ड्रिंक्स की बढ़ती लत पर चिंता जताई, जो आज मोटापे और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं के प्रमुख कारण बन रहे हैं। उनकी सलाह सरल लेकिन गहरी थी: जल्दी खाएं, सोच-समझकर खाएं और अपने शरीर को पाचन के लिए समय दें।

अपनी विशिष्ट शैली और गरिमा के साथ शिल्पा ने अपने जीवन के विभिन्न पहलुओं - अभिनेत्री, उद्यमी, माँ और योग साधक के रूप में अपने अनुभव साझा किए।

उनकी सच्चाई और बुद्धिमत्ता ने वहां मौजूद हर व्यक्ति को प्रभावित किया। यह आयोजन एक बड़ी सफलता थी, जिसमें न केवल आरसीएमटी के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, बल्कि कई अन्य रोटरी क्लबों के अध्यक्ष भी इस अवसर पर उपस्थित रहे और शिल्पा की प्रेरक बातों से गहराई से प्रभावित हुए।

इस सफल आयोजन का श्रेय आरसीएमटी के अध्यक्ष श्री नरेंद्र श्रीश्रीमाल को जाता है, जिन्होंने इस कार्यक्रम को भव्य रूप से आयोजित किया। डॉ. पूर्णिमा ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम को विशेष बनाया, जबकि मीनाक्षी ने पूरे सत्र का संचालन कर इसे सफल बनाया। स्वास्थ्य शरीर की स्थिति है, और स्वस्थ जीवन एक मानसिक स्थिति है। यह समारोह इस बात का स्मरण दिलाता है कि सच्चा स्वास्थ्य और सुख-शांति हमारे रोजमर्रा के निर्णयों पर निर्भर करता है।

हर्षोल्लास, उत्साह और उमंग के साथ मनाई गई होली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में रंगों का त्योहार होली हर्षोल्लास, उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। जयपुर, पुष्कर, उदयपुर में विदेशी पर्यटकों ने भी होली के त्योहार का लुत्फ उठाया। पुष्कर में अंतरराष्ट्रीय होली महोत्सव में देसी-विदेशी पर्यटकों ने चंग की थाप पर नाच कर मस्ती की। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कोटा के कैथूनीपोल इलाके में अपने पुश्तैनी घर पर लोगों को रंग-गुलाल लगाकर होली की बधाई दी।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अजमेर शहर के बजरंगगढ़ स्थित सुभाष उद्यान में होली खेली। कार्यकर्ताओं और आम लोगों ने देवनानी को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास पर होली का पर्व बड़े हर्षोल्लास से मनाया। मुख्यमंत्री ने इस दौरान बड़ी संख्या में आए आमजन से मुलाकात कर फूलों व प्राकृतिक रंगों से होली खेली। मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित होली मिलन समारोह में लोक कलाकारों ने ब्रज की विभिन्न संस्कृतियों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने प्रदेशवासियों को होली के पर्व की बधाई देते हुए कहा, रंगों का यह पर्व बेहद ही निराला है। यह हमें आपसी कटुता को भुलाते हुए एक-दूसरे को गले लगाने की सीख देता है। साथ ही, उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 350 अरब डॉलर के लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है।

शर्मा ने युवा, किसान, महिला और मजदूर सहित पूरे प्रदेश की खुशहाली की प्रार्थना की। समारोह में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पत्नी गीता शर्मा भी मौजूद रहीं। पुष्कर के मेला ग्राउंड में आयोजित डीजे पार्टी के दौरान दमकल से पानी की बौछार की गई। इस दौरान संगीत पर पर्यटक जमकर नाचे। अजमेर के वैशाली नगर स्थित निजी समारोह स्थल में शहरवासियों ने एक-दूसरे पर टमाटर फेंककर होली खेली। इसके लिए करीब 4 हजार किलोग्राम टमाटर मंगवाए गए।

टोंक में कोड़ा मार होली खेली गई। महिलाओं ने एक कड़ाह में रंग भरकर रखा। इस रंग के पानी को लेने आए पुरुषों पर जमकर कोड़े बरसाए गए। उदयपुर के जगदीश मंदिर चौक में होली का कार्यक्रम आयोजित किया गया। स्थानीय लोगों के साथ बड़ी संख्या में विदेशी सैलानी भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। जयपुर शहर में अलग-अलग जगहों पर डीजे साउंड लगाया गया। होली खेलने के साथ ही लोगों ने बॉलीवुड गानों पर नृत्य किया।

वहीं, जैसलमेर में भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सीमा सुरक्षा बल(बीएसएफ) के जवानों और महिला जवानों ने होली का पर्व मनाया। सभी ने एक दूसरे को गुलाल लगाया और बॉलीवुड के लोकप्रिय गीतों पर नृत्य किया। इस दौरान सभी जवानों व अधिकारियों ने एक दूसरे को मिठाई खिलाई और होली की शुभकामना दी। जवानों ने रंगों के त्योहार को भाईचारे व शांति के साथ मनाने का संदेश भी दिया।

इस दौरान सीमा सुरक्षा बल के उत्तर क्षेत्र के उपमहानिरीक्षक योगेन्द्र सिंह राठौड़ भी बृहस्पतिवार को सरहद पर पहुंचे और जवानों को होली की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने जवानों को रंग लगाया और उनके साथ होली खेली।

पुलिसकर्मियों ने अपनी मांगों को लेकर होली नहीं मनाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के कई जिलों में पुलिस कर्मियों ने पदोन्नति और वेतन विसंगतियों को दूर करने सहित अपनी विभिन्न मांगों के समर्थन में शनिवार को पारंपरिक 'पुलिस होली' कार्यक्रमों से दूरी बनाए रखी। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मामले में तत्काल हस्तक्षेप करने और पुलिसकर्मियों की मांगों पर गौर करने की मांग की। कैबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने भी पुलिसकर्मियों की मांगों का समर्थन किया और कहा कि वे सरकार के समक्ष इस मुद्दे को उठाएंगे।

परंपरागत रूप से पुलिसकर्मी होली का त्योहार धुलंडी के अगले दिन मनाते हैं क्योंकि त्योहार के दिन वे कानून व्यवस्था बनाए रखने में तैनात रहते हैं। धुलंडी के अगले दिन वे 'पुलिस होली' कार्यक्रमों में शामिल होते हैं जिनके आयोजन आमतौर पर जिला पुलिस लाइन में होता है। हमेशा की तरह, राज्य भर में पुलिस लाइनों में वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा होली कार्यक्रम की व्यवस्था की गई थी हालांकि, जयपुर, जोधपुर, उदयपुर और अन्य जिलों में पुलिस लाइनें खाली रहीं। कोटा, भरतपुर, पाली, सवाई माधोपुर और भीलवाड़ा में पुलिसकर्मियों ने जिला पुलिस अधीक्षक समेत वरिष्ठ अधिकारियों के साथ होली खेली, एक-दूसरे पर गुलाल और रंग लगाया और डीजे की धुन पर नाचते नजर आए। कोटा में जिला पुलिस अधीक्षक अमृता दुहन ने महिला पुलिसकर्मियों के साथ डीजे की धुन पर डांस किया। इसी तरह भरतपुर में पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा ने अफसरों के साथ होली खेली। हालांकि, इन कार्यक्रमों में पुलिसकर्मियों की भागीदारी अपेक्षाकृत कम रही। भीलवाड़ा के पुलिस ग्राउंड में होली मिलन समारोह रखा गया था। पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह समेत वरिष्ठ अधिकारियों ने होली खेली।

पुलिसकर्मियों की मुख्य मांगें पदोन्नति और वेतन विसंगतियों को लेकर हैं। वे पदोन्नति सुनिश्चित करने के लिए विभागीय पदोन्नति समितियों (डीपीसी) की बैठक समय पर करने, मेस भत्ते में बढ़ोतरी समेत अन्य मांग कर रहे हैं। जयपुर में एक पुलिसकर्मी ने कहा, होली का बहिष्कार हमारी पुरानी मांगों को लेकर है।

पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत ने कहा कि मुख्यमंत्री शर्मा को मामले में हस्तक्षेप करना चाहिए। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, 'कल प्रदेशभर में उल्लासपूर्ण एवं शांतिपूर्वक होली मनाने में योगदान देने के बाद आज पुलिसकर्मी होली का बहिष्कार कर रहे हैं। मेरी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से अपील है कि अविलंब इस मामले में दखल दें एवं पुलिसकर्मियों को होली खेलने के लिए उनकी मांगों पर सकारात्मक फैसला करें।'

उन्होंने कहा कि सरकार के समक्ष तमाम लंबित मांगों जैसे डीपीसी से प्रमोशन, मैस भत्ता बढ़ाने, साप्ताहिक अवकाश इत्यादि मांगों को लेकर पुलिसकर्मी आज होली का बहिष्कार कर रहे हैं। पूर्व में हमेशा बजट में पुलिसकर्मियों के हित में घोषणा होती थीं। उन्होंने कहा, 'होली सालभर में आने वाला त्यौहार है। हमारे नेता प्रतिपक्ष एवं कई विधायकों ने विधानसभा में भी आपकी इन मांगों को उठाया है एवं आगे भी हम मजबूती से सरकार के समक्ष आपकी मांगों को रखेंगे।

एकमुश्त समझौता योजना से भूमि विकास बैंकों को मिलेगी संजीवनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा भूमि विकास बैंकों के ऋणों के लिए एकमुश्त समझौता (जढड) योजना लाए जाने से किसानों और लघु उद्यमियों को तो बड़ी राहत मिलेगी ही कमजोर आर्थिक स्थिति से जूझ रहे भूमि विकास बैंकों के लिए भी राज्य सरकार का यह कदम संजीवनी साबित होगा।

सहकारिता मंत्री ने बताया कि प्रदेश के सहकारी भूमि विकास बैंकों द्वारा किसानों और जरूरतमंद लघु उद्यमियों को दीर्घकालीन ऋणों के माध्यम से प्रदेश के कृषि और आर्थिक विकास में अहम भूमिका निभाई जाती रही है। लेकिन विगत कुछ वर्षों में विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं के कारण ऋणी किसानों द्वारा बैंक के ऋण की किश्तें नहीं चुकाई जा सकीं, जिसके परिणामस्वरूप इन बैंकों का अवधिपार ऋण लगभग 760 करोड़ रुपये हो गया। अब मुख्यमंत्री द्वारा एकमुश्त समझौता योजना लागू करने की घोषणा करते हुए इसके लिए 200 करोड़ रुपये का व्यय प्रस्तावित किया गया है, जिससे भूमि विकास बैंकों के ऋणों की वसूली आसान होगी और उनकी आर्थिक स्थिति सुधरेगी।

दक ने कहा कि राज्य सरकार के 'सुराज संकल्प' में किसानों की भूमि नीलाम नहीं होने देने का प्रावधान है जिसके अंतर्गत भूमि विकास बैंकों द्वारा वसूली के लिए की जाने वाली नीलामी कार्यवाही को भी स्थगित किया हुआ है। उन्होंने कहा कि किसानों का यह वर्ग आशान्वित था कि राज्य सरकार उन्हें राहत देते हुए एकमुश्त समझौता योजना लागू करेगी। मुख्यमंत्री ने उनकी अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए वित्त एवं विनियोग विधेयक पर चर्चा का जवाब देने के दौरान यह बड़ी घोषणा की है। सहकारिता मंत्री ने बताया कि इस घोषणा के तहत भूमि विकास बैंकों के 1 जुलाई, 2024 को अवधिपार हो चुके मध्यकालीन एवं दीर्घकालीन ऋण की मूल धन की 100 प्रतिशत राशि जमा करवाने पर अवधिपार ब्याज में 100 प्रतिशत की राहत दी जाएगी। सहकारिता मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री की इस घोषणा से प्रदेश के भूमि विकास बैंकों से जुड़े हुए 36,351 अवधिपार ऋणी सदस्यों को अवधिपार ब्याज में शत प्रतिशत राहत का लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि इसके परिणामस्वरूप उक्त ऋणी सदस्यों को नवीन कृषि और अकृषि गतिविधियों के लिए राज्य सरकार की 5 प्रतिशत ब्याज अनुदान योजना में ऋण दिया जाकर लाभान्वित किया जा सकेगा, जिससे उनका आर्थिक उन्नयन होगा और वे पुनरू मुख्यधारा में लौटेंगे।

मुख्यमंत्री पुलिसकर्मियों की मांगों पर करें सकारात्मक फैसला : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से अपील की है कि वह पुलिसकर्मियों को होली खेलने के लिए उनकी मांगों पर सकारात्मक फैसला करें। गहलोत ने शनिवार को यहां अपने बयान में कहा कल प्रदेशभर में उल्लासपूर्ण एवं शांतिपूर्वक होली मनाने में योगदान देने के बाद आज पुलिसकर्मी होली का बहिष्कार कर रहे हैं। मेरी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से अपील है कि अविलंब इस मामले में दखल दें एवं पुलिसकर्मियों को होली खेलने के लिए उनकी मांगों पर सकारात्मक फैसला करें।

उन्होंने कहा कि सरकार के समक्ष तमाम लंबित मांगों जैसे डीपीसी से प्रमोशन, मैस भत्ता बढ़ाने, साप्ताहिक अवकाश इत्यादि मांगों को लेकर पुलिसकर्मी आज होली का बहिष्कार कर रहे हैं। पूर्व में हमेशा बजट में पुलिसकर्मियों के हित में घोषणा होती थीं। होली साल भर में आने वाला त्यौहार है। हमारे नेता प्रतिपक्ष एवं कई विधायकों ने विधानसभा में भी इन मांगों को उठाया है एवं आगे भी हम मजबूती से सरकार के समक्ष मांगों को रखेंगे। उन्होंने कहा मेरा सभी पुलिसकर्मियों से निवेदन है कि बहिष्कार पर पुनर्विचार कर आप अपने साथियों एवं परिजनों के साथ होली का त्यौहार मनाएं।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकता : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सशक्त और विकसित देश-प्रदेश बनाने में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। आधी आबादी की भागीदारी के बिना विकास की यात्रा अधूरी है। उन्होंने कहा कि हमारी सनातन संस्कृति में भी शक्ति के लिए मां दुर्गा, धन के लिए मां लक्ष्मी और बुद्धि के लिए मां सरस्वती की उपासना करने की परम्परा रही है। शर्मा ने कहा कि यह शक्ति वंदन महोत्सव हमारे महिला सशक्तीकरण के प्रयासों में महत्वपूर्ण योगदान का प्रतीक है। हमारी सरकार राज्य में महिलाओं को विकासोन्मुखी वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्धता से काम कर रही है।

मुख्यमंत्री शनिवार को जवाहर कला केन्द्र में शक्ति वंदन भारत के स्व का अभिनंदन महोत्सव के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई ने अपने जीवन और कार्यों से एक स्थायी विरासत छोड़ी है। इसी कड़ी में हमने राजस्थान दिवस भी अंग्रेजी तारीख की जगह हमारे पंचांग की तिथी चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को मनाये जाने का निर्णय लिया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आधी आबादी की उन्नति और प्रगति में विश्वास रखते हैं। यह महोत्सव प्रधानमंत्री जी के वोकल फॉर लोकल अभियान के तहत स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और विलुप्त होती कलाओं को पुनर्जीवित करने के प्रयासों का महत्वपूर्ण हिस्सा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में वर्ष 2014 के बाद देश के आस्था केन्द्रों का तेजी से विकास हो रहा है। हमारे पौराणिक धार्मिक स्थलों को उनका दिव्य एवं भव्य रूप वापस लौटाकर सनातन संस्कृति का उत्थान किया जा रहा है। राज्य सरकार भी प्रदेश के आस्था स्थलों का पुनरूद्धार कार्य करवा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी डबल इंजन सरकार महिला सशक्तीकरण, स्वास्थ्य और सामाजिक उत्थान के लिए तेजी से काम कर रही है। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना हमारा लक्ष्य है। हम राजीविका के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण देकर उनको स्वरोजगार से जोड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन महिलाओं द्वारा तैयार उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने के लिए भी राज्य सरकार द्वारा कई कदम उठाए गए हैं।

गौ रक्षा और गौ संवर्धन हमारी भारतीय संस्कृति का आधार : दीया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने बस्सी के ग्राम हिंगोनिया में कृष्ण बलराम सेवा ट्रस्ट और एच. जी. फाउंडेशन के सहयोग से गौ पुनर्वास केंद्र हिंगोनिया गौशाला में गौ माता की पूजा अर्चना कर हरा चारा खिलाकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और मंदिर में दर्शन कर भगवान भोलेनाथ का दुग्धाभिषेक किया। इस दौरान उप मुख्यमंत्री ने गोवंशों के लिए पौधारोपण एवं इको फ्रेंडली क्लब हाउस का शुभारंभ किया। 4 टन की क्षमता वाली चारा मिश्रण मशीन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, तथा प्राकृतिक आवासीय पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए बांस से बने प्राकृतिक आवासों का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि यह ना केवल पर्यावरण की रक्षा करेगा, बल्कि इससे पर्यटकों को गौशाला में प्राकृतिक तरीके से रहने का अनुभव भी मिलेगा, जिससे वे प्राकृतिक जीवनशैली और सतत विकास के महत्व को समझ सकेंगे। पर्यावरण स्थिरता की दिशा में यह एक सकारात्मक कदम है, जो न केवल गोवंश के संरक्षण में मदद करेगा, बल्कि पर्यावरणीय संतुलन को बनाए रखने में भी योगदान देगा। ऐसे नवाचार हमें अपने आसपास के प्राकृतिक संसाधनों के प्रति जागरूक करने में मदद करते हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के सर्वांगीण विकास के साथ ही गौ संरक्षण एवं संवर्धन के लिए संकल्पित होकर काम कर रही है। हाल में पेश किए गए राज्य बजट में गौमाता और पशुपालकों के हित में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। प्रदेशभर में संचालित गौशालाओं को समय पर अनुदान दिया जा रहा हैं। ये सामाजिक सरोकार के कार्य हैं, जिसमें जनसहयोग भी बहुत जरूरी हैं। पर्यावरण संरक्षण के लिए उन्होंने का कि 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान में भी देशवासियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई हैं। उन्होंने कहा कि प्रकृति से सराबोर ये प्राकृतिक क्लब हाऊस ग्रामीण और अग्रो टूरिज्म का मुख्य हिस्सा बन सकते हैं, जिसके लिए पर्यटन विभाग हर संभव प्रयत्न करेगा।

झुंझुनू में एटीएम से 10 लाख रुपए चुरा ले गए बदमाश

झुंझुनू। राजस्थान में झुंझुनू के कोतवाली थाना क्षेत्र में शनिवार को रोड नंबर तीन पर स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम को चोरों ने निशाना बनाते हुए करीब 10 लाख रुपए लूट लिए। पुलिस सूत्रों ने बताया कि तड़के करीब तीन बजे कार में आये बदमाशों ने पहले एटीएम के शटर को नीचे कर दिया और फिर कटर से एटीएम मशीन को काटकर राशि निकाल ली। घटनास्थल पर दो गड्डियां (100-100 रुपये के नोटों की) मिलीं, लेकिन मुख्य मशीन गायब थी। पुलिस को संदेह है कि चोरों ने पूरी योजना बनाकर इस वारदात को अंजाम दिया। इस एटीएम में दो दिन पहले ही नकदी डाली गई थी। चोरों को संभवतः यह जानकारी पहले ही थी, लिहाजा उन्होंने पूरी योजना बनाकर इस घटना को अंजाम दिया। फिलहाल पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

मुलाकात

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला शनिवार को कोटा में अपने आवास पर आगंतुकों से मिलते हुए।

राजसमंद में डांस करते-करते सरपंच की मौत

राजसमंद। राजसमंद में होली के दौरान आदिवासी गेर नृत्य के दौरान एक सरपंच की हार्टअटैक से मौत हो गई। पारंपरिक डांस में सरपंच ग्रामीणों के साथ डांस करते-करते अचानक सिर के बल गिर गए। उन्हें सीपीआर देने की भी कोशिश की गई, लेकिन उन्हें होश नहीं आया। हॉस्पिटल में जांच के बाद डॉक्टर्स ने विकास दवे (53) को मृत घोषित कर दिया। हादसा कुंभलगढ़ विधानसभा की चारभुजा तहसील के कसार गांव का रात करीब 12.30 बजे का है।

सरपंच के परिवार के करीबी विजय शर्मा ने बताया कि सेवंत्री सरपंच विकास दवे गेर डांस में शामिल होने के दौरान बिल्कुल ठीक थे। इस दौरान वे काफी हंस भी रहे थे और पूरे उत्साह के साथ डांस कर रहे थे। डांस के दौरान उन्होंने दो राउंड भी आराम से पूरे कर लिए थे। इस दौरान उनके चेहरे पर कोई थकावट भी नहीं थे। तीसरा राउंड जैसे ही शुरू हुआ सरपंच अचानक गिर गए और बेहोश हो गए। डांस कर रहे ग्रामीणों ने उन्हें पानी पिलाने की भी कोशिश की। एक रिटायर्ड कंपाउंडर ने सीपीआर देकर होश में लाने की भी कोशिश की, लेकिन उनकी आंख नहीं खुली। विकास दवे को बेहोश की हालत में ग्रामीण चारभुजा हॉस्पिटल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टर्स ने उन्हें होश में लाने की काफी कोशिश की।

महाकुंभ के बाद होली ने दिया सनातन विरोधियों को जवाब : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि महाकुंभ के बाद अब होली के त्योहार ने सनातन धर्म के विरोधियों को जवाब दे दिया है।

मुख्यमंत्री ने होली के अवसर पर शुक्रवार सुबह होलिका दहन के भस्म के तिलक से शुरुआत करने और फिर घंटाघर से निकलने वाली भगवान नृसिंह की पारंपरिक रंगभरी शोभायात्रा में शामिल होकर होली खेली। योगी ने अपराह्न काल से शाम तक गोरखनाथ मंदिर में होली मिलन कार्यक्रम में उमड़े लोगों पर फूलों की बौछार की। इस अवसर पर उन्होंने सभी को होली की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि महाकुंभ के बाद अब होली ने सनातन धर्म के विरोधियों को जवाब दे दिया है और पूरे प्रदेश में शांति तथा सौहार्दपूर्ण तरीके से होली का आयोजन संपन्न हुआ है। मुख्यमंत्री ने गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में आयोजित होली मिलन कार्यक्रम में कहा, जो लोग सनातन धर्म की परंपराओं पर और सनातन धर्म पर सवाल उठाते थे, उन लोगों को जवाब है होली। जो लोग सनातन को बदनाम करते हैं और हमेशा दुष्प्रचार करते हैं कि सनातन धर्म जाति के नाम पर, मत और संप्रदाय के नाम पर, क्षेत्र और भाषा के नाम पर, अगड़ी-पिछड़ी के नाम पर, छुआछूत और अस्पृश्यता के नाम पर बंटा है, इन दुष्प्रचारों का जवाब महाकुंभ के बाद आज होली ने भी दे दिया है। उन्होंने कहा, होली पर एक साथ हर भारतवासी, हर सनातन धर्मावलंबी गले मिल रहा था, रंग और गुलाल लगा रहा था, उत्साह-उमंग के साथ भारत की सनातन परंपरा को मजबूती प्रदान कर रहा था। यही तो हमारी सबसे बड़ी ताकत है। महाकुंभ के बाद होली के पर्व ने अपनी परंपरा और संस्कृति के प्रति श्रद्धा व आस्था का भाव प्रदर्शित कर यही संदेश दिया है कि सनातन लोगों के बीच कोई बंटवारा नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा, बंटवारा तो सनातन धर्म को बदनाम करने वालों की बुद्धि में है, ऐसे लोगों की बुद्धि दूषित है। योगी ने कहा कि देश ने लंबे समय तक गुलामी झेली है और आक्रांताओं ने होली, दीपावली जैसे पर्व-त्योहार और महाकुंभ जैसे आयोजनों को बाधित करने का प्रयास किया लेकिन सनातनियों की अधिक आस्था के चलते वे कभी सफल नहीं हो पाए। उन्होंने कहा, सनातन धर्म को जीवन पद्धति कहा जाता है। इसमें अगर कभी कोई विकृति किन्हीं कारणों से आ गई हो तो उसके परिमार्जन का मार्ग हमारे पर्व-त्योहार स्वयं ही आगे बढ़ा देते हैं।

देशभर में हर्षोल्लास से मनाया गया होली का त्योहार, जुमे की नमाज भी शांति के साथ संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश में शुक्रवार को रंगों का त्योहार होली पूरे उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। कड़ी सुरक्षा के बीच रमजान के दूसरे जुमे के साथ रंगों का त्योहार शांतिपूर्वक संपन्न हुआ।

होली और जुमे(शुक्रवार) की नमाज एक ही दिन होने के मद्देनजर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच उत्तर प्रदेश के संभल जिले में रंगों का त्योहार पारंपरिक उत्साह के साथ शांतिपूर्ण ढंग से मनाया गया।

अधिकारियों ने बताया कि होली के अवसर पर संभल शहर में पारंपरिक 'चौपाई का जुलूस' भी निकाला गया। पिछले साल 24 नवंबर को शाही जामा मस्जिद के सर्वेक्षण के बाद भड़के दंगों के बाद से संभल में तनाव जैसी स्थिति है। शाही जामा मस्जिद में नमाज के लिए भारी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। होली की वजह से जुमे की नमाज के निर्धारित समय को एक घंटा बढ़ाकर 2.30 बजे कर दिया गया था। मस्जिद में अपराह्न दो बजकर 30 मिनट पर जुमे की नमाज अदा की गई। मस्जिद के सदर जफर अली ने पहले दोनों समुदायों के सदस्यों से होली मनाने और सौहार्दपूर्ण माहौल में जुमे की नमाज अदा करने का आग्रह किया था। संभल के जिलाधिकारी राजेंद्र पेंसिया ने शुक्रवार को संवाददाताओं को बताया, ''संभल जिले में 1,212 स्थानों पर होलिका दहन शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। लोगों ने नाच-गाकर और एक-दूसरे पर गुलाल लगाकर पारंपरिक उत्साह के साथ रंगों का त्योहार मनाया। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच 60 से अधिक जुलूस निकाले गए।'' होली और जुमे की नमाज एक ही दिन होने के कारण इस बार पुलिस और जिला प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे, जिसके तहत शुक्रवार को संभल शहर में आरएएफ ने फ्लैग मार्च किया। संभल को ड्रोन निगरानी के लिए 29 सेक्टर में विभाजित किया गया था और होली तथा जुमे की नमाज को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए तीन स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई थी।

राज्य के ही शाहजहांपुर शहर में शुक्रवार को होली पर निकलने वाला 'बड़े लाट साहब का जुलूस' कड़ी सुरक्षा के बीच संपन्न हो गया। जुलूस के दौरान कुछ बच्चों ने 'लाट साहब' पर पत्थर फेंका मगर पुलिस ने उन्हें खदेड़ दिया।

ओडिशा में मुख्यमंत्री ने पुलिसकर्मियों संग खेली होली

भुवनेश्वर/कटक/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने शनिवार को पुलिसकर्मियों के साथ होली का उत्सव मनाया। राजधानी भुवनेश्वर में मुख्यमंत्री के शिकायत प्रकोष्ठ कार्यालय (यूनिट पांच क्षेत्र) में यह आयोजन किया गया। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक वाईबी खुरानिया भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''होली के पावन पर्व पर सभी को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। यह भाईचारे और मित्रता का त्योहार सभी के जीवन में खुशियां, शांति और आनंद लाए। राधा गोविंद से सभी के मंगलमय जीवन की कामना करता हूं।'' परंपरा के अनुसार, ओडिशा में होली अन्य स्थानों पर रंग उत्सव मनाए जाने के एक दिन बाद मनाई जाती है। राज्यपाल हरिबाबू कंभमपति ने भी इस अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं दीं और प्राकृतिक रंगों के इस्तेमाल की अपील की। विपक्ष के नेता नवीन पटनायक ने भी होली की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, ''होली के आनंदमय और उल्लासमय पर्व पर सभी को मेरी शुभकामनाएं। भगवान जगन्नाथ की कृपा सभी पर बनी रहे।'' पटनायक फिलहाल दिल्ली में हैं, इसलिए उनकी अनुपस्थिति के कारण उनके आवास 'नवीन निवास' में होली समारोह का आयोजन नहीं किया गया।

होली पर आखत डालने जा रहे दलित परिवार पर दबंगों ने की गोलीबारी, छह घायल

शाहजहांपुर/फर्रुखाबाद/भाषा। उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद जिले में दबंगों ने शुक्रवार को होलिका की आग में आखत डालने (होलिका दहन के अगले दिन उसकी आग में जौ की बाली डालने की रस्म) जा रहे दलित समाज के लोगों पर मामूली विवाद को लेकर गोलीबारी की। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी शनिवार ने बताया कि गोलीबारी में एक महिला समेत छह लोग घायल हो गए। अधिकारी के मुताबिक, पुलिस ने आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। उन्होंने बताया कि गांव में एहतियातन पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

अपर पुलिस अधीक्षक संजय कुमार ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि कमालगंज थाना क्षेत्र के बीबीपुर गांव में जितेंद्र और पप्पू नाम के दो दबंग शुक्रवार को दलित समाज के अनिल के घर पहुंचे और मामूली विवाद को लेकर गाली-गलौज की।

कुमार के अनुसार, जितेंद्र और पप्पू ने अनिल को धमकी दी कि वे दलितों को होली में आखत नहीं डालने देंगे। उन्होंने बताया कि शाम को जब अनिल के परिवार के लोग होलिका की आग में आखत डालने जा रहे थे, तभी रास्ते में शिवम कटियार, सोम कटियार, जितेंद्र और पप्पू ने अवैध रूप से लाए गए तमंचों से उन पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिससे एक महिला समेत छह लोग घायल हो गए।

बिहार के 30,000 से अधिक ग्रामीण वार्डों में गंभीर भूजल संदूषण का पता चला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के कुल 38 जिलों में से 31 जिलों के 26 प्रतिशत ग्रामीण वार्ड में भूजल स्रोतों में आर्सेनिक, फ्लोराइड और आयरन की मात्रा अनुमान्य सीमा से अधिक पाई गई है। बिहार के लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग (पीएचईडी) की एक नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, राज्य के कुल 38 जिलों में से 31 जिलों के 26 प्रतिशत ग्रामीण वार्ड में भूजल स्रोतों में आर्सेनिक, फ्लोराइड और आयरन की मात्रा निर्धारित सीमा से अधिक है। हाल ही में विधानसभा में पेश बिहार आर्थिक सर्वेक्षण (2024-25) की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश के 4709 ग्रामीण वार्डों में आर्सेनिक, 3789 वार्डों में फ्लोराइड और 21,709 वार्डों में आयरन अधिक है।

प्रभावित वार्ड बक्सर, भोजपुर, पटना, सारण, वैशाली, लखीसराय, दरभंगा, समस्तीपुर, बेगुसराय, खगड़ा, मुंगेर, कटिहार, भागलपुर, सीतामढी, कैमूर, रोहतास, औरंगाबाद, गया, नालंदा, नवादा, शेखपुरा, जमुई, बांका, सुपौल, मधेपुरा, सहरसा, अररिया और किशनगंज जिलों में स्थित हैं। पीएचईडी मंत्री नीरज कुमार सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, हम इस तथ्य से अवगत हैं... स्थिति की गंभीरता को देखते हुए राज्य सरकार ने ग्रामीण बिहार को 'हैंडपंप मुक्त' बनाने और 'हर घर नल का जल' योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि सरकार राज्य में पानी की गुणवत्ता में सुधार के लिए बहु-ग्रामीण योजनाएं (एमवीएस) भी लागू कर रही है। उन्होंने कहा कि 'हर घर नल का जल' योजना के तहत, पीएचईडी ग्रामीण क्षेत्रों में 83.76 लाख परिवारों को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध करा रहा है। उन्होंने कहा कि 30,207 ग्रामीण वार्डों में परिवारों को पीने योग्य पानी भी उपलब्ध कराया जा रहा है, जहां प्रदूषण अधिक है। मंत्री ने कहा, राज्य सरकार पहले से ही नदी के पानी को पीने के लिए इस्तेमाल करने की योजना पर काम कर रही है।

असम के मुख्यमंत्री पुलिस का 'दुरुपयोग' कर रहे हैं : गौरव गोगोई

गुवाहाटी/भाषा। कांग्रेस की असम इकाई के प्रवक्ता रीतम सिंह की शनिवार को सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर हुई गिरफ्तारी के बाद पार्टी नेता गौरव गोगोई ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा राज्य पुलिस बल का 'दुरुपयोग' कर रहे हैं। उन्होंने असम के दौरे पर आए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से पूछा कि क्या उन्हें ऐसी गतिविधियों के बारे में पता है।

गोगोई ने 'एक्स' पर लिखा, लखीमपुर पुलिस की टीम कांग्रेस प्रवक्ता रीतम सिंह को हिरासत में लेने के लिए गुवाहाटी आई है। जब मैं उनके (सिंह) आवास पर गया, तो मैंने देखा कि कैसे उन्हें बेरहमी से घसीटा गया और मुझसे बात नहीं करने दी गई। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री असम में एक पुलिस अकादमी का उद्घाटन करने आए हैं। गोगोई ने कहा, मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि क्या उन्हें (अमित शाह को) मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा सरकार में पुलिस के दुरुपयोग के बारे में पता है। क्या गृह मंत्री अमित शाह को पता है कि कुछ दिन पहले भाजपा के गुंडों ने असम के दो कांस्टेबलों की दिनदहाड़े बेरहमी से पिटाई की थी और फिर भी उन्हें गिरफ्तार नहीं किया गया। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री 'पुलिस को अवैध गतिविधियों को अपनाने के लिए मजबूर कर रहे हैं, जो कानून और उच्च न्यायालय के विपरीत हैं'। शर्मा की राजनीतिक मंशा से पुलिस का 'ट्रैक रिकॉर्ड' खराब हो रहा है। लखीमपुर के पुलिस अधीक्षक मिहिरजीत गायन ने बताया कि सिंह को दो दिन पहले पोस्ट के लिए भाजपा विधायक मानब डेका की पत्नी की शिकायत के बाद गिरफ्तार किया गया था।

तेज प्रताप ने पुलिसकर्मी से कहा, ठुमका नहीं लगाओगे तो सस्पेंड कर दिए जाओगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव शनिवार को उस समय एक नये विवाद में घिर गए, जब उन्होंने एक पुलिसकर्मी को आदेश दिया कि अगर उसने ठुमका नहीं लगाया, तो उसे निलंबन का सामना करना पड़ेगा।

हसनपुर से विधायक तेज प्रताप के आधिकारिक आवास पर आयोजित होली मिलन समारोह का एक वीडियो सोशल मीडिया पर बड़े पैमाने पर साझा किया जा रहा है, जिसमें एक पुलिसकर्मी को उनके कहने पर नाचते हुए देखा जा सकता है। इस वीडियो में तेज प्रताप एक अस्थायी मंच पर रखे सोफे पर बैठे नजर आ रहे हैं और उनके हाथ में माइक है। वह पुलिसकर्मी से यह कहते दिखाई दे रहे हैं, ऐ सिपाही, ऐ दीपक, अभी एक गाना बजाएंगे, जिस पर तुमको ठुमका लगाना पड़ेगा। नहीं लगाओगे, तो तुमको सस्पेंड कर देंगे। बुरा न मानो होली है।

वीडियो में नजर आ रहा है कि वर्दीधारी पुलिसकर्मी तेज प्रताप की बात का बुरा नहीं मानता, लेकिन वह ठुमका लगाने के बजाय उन्हें खुश करने के लिए अपना दाहिना हाथ हवा में लहराता है। समारोह में तेज प्रताप ने अपने पिता द्वारा आयोजित की जाने वाली कपड़ा फाड़ होली की याद दिलाते हुए अपने से मिलने आए समर्थकों के कपड़े फाड़े। वह अपने घर के पास से गुजरने वाली सड़क पर स्कूटर चलाते हुए और जोर-जोर से हैप्पी होली पलटू चाचा कहते भी दिखाई दिए। तेज प्रताप का इशारा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की ओर था, जिन्होंने राजद से दो बार गठबंधन किया और दोनों बार उसका साथ छोड़ दिया।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने तेज प्रताप की हरकत की निंदा की। उन्होंने कहा, जैसा पिता वैसा पुत्र। पहले पिता मुख्यमंत्री के रूप में कानून को अपने इशारों पर नचवाते थे और उन्होंने बिहार को जंगल राज में तब्दील कर दिया। अब बेटा सत्ता से बाहर होने के बावजूद उसी तरह से धमकी और दबंगई से कानून और उसके रखवालों को नचवाने की कोशिश करता है। पूनावाला ने कहा, वह (तेज प्रताप) पुलिसकर्मी को धमकी देते हैं कि अगर वह नहीं नाचेगा तो, उसे निलंबित कर दिया जाएगा। इससे पता चलता है कि राजद जंगल राज में विश्वास करती है... अगर वे गलती से भी सत्ता में आ गए, तो कानून की धज्जियां उड़ाएंगे और कानून के रखवालों को नचवाएंगे... यह तो बस ट्रेलर है। इसलिए, उन्हें सत्ता से दूर रखना जरूरी है।

ओलंपिक चैम्पियन बनना शानदार होगा और आईपीएल की इसमें अहम भूमिका है : कोहली

बेंगलूरु/भाषा। चैम्पियन बल्लेबाज विराट कोहली लॉस एंजिलिस ओलंपिक में क्रिकेट के शामिल होने से रोमांचित हैं और उन्होंने कहा कि खेल को ओलंपिक में जगह दिलाने में इंडियन प्रीमियर लीग की बड़ी भूमिका रही है। पेरिस ओलंपिक 1900 के बाद पहली बार क्रिकेट की ओलंपिक में वापसी होगी ।

कोहली ने आरसीबी इनोवेशन लैब टॉक शो में शनिवार को कहा ,'' ओलंपिक चैम्पियन बनना शानदार अनुभव होगा । आईपीएल की इसमें बड़ी भूमिका रही है । इसने क्रिकेट को ऐसे मुकाम पर पहुंचाया कि अब वह ओलंपिक का हिस्सा है । हमारे कुछ खिलाड़ियों के लिये यह बड़ा मौका है। खिलाड़ियों को इसका अनुभव पहली बार होगा । मुझे यकीन है कि हम उस पदक के करीब होंगे । दोनों महिला और पुरुष टीमें ।'' कोहली 2028 तक 40 बरस के हो जायेंगे और उनका ओलंपिक में खेलना मुश्किल है । उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा,''ओलंपिक में , पता नहीं । अगर हम स्वर्ण पदक के लिये खेल रहे हैं तो मैं एक मैच खेलकर , पदक लेकर वापिस लौट आऊंगा । लेकिन मुझे लगता है कि यह खेल के लिये बहुत अच्छी बात है ।'' कोहली ने कहा कि महिला प्रीमियर लीग से देश में महिला क्रिकेट में काफी बदलाव आया है । उन्होंने कहा ,'' अब नजरिया बदल गया है । मुझे लगता है कि बाकी खेलों में खिलाड़ी बहुत अच्छा कर रहे हैं और देश से उनको सराहना मिल रही है ।''

पश्चिम बंगाल: बीरभूम के सैंथिया में झड़प के बाद 21 लोग गिरफ्तार, इंटरनेट सेवा बंद

सूरी (पश्चिम बंगाल)/भाषा। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में दो समूहों के बीच झड़प के सिलसिले में 21 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह झड़प शुक्रवार शाम सैंथिया पुलिस थाना क्षेत्र में हुई। आदेश के अनुसार, किसी भी तरह के अपराध को भड़काने से रोकने के लिए राज्य सरकार ने सैंथिया शहर और सैंथिया पुलिस थाना क्षेत्र के पांच अन्य निकटवर्ती पंचायत क्षेत्रों में 17 मार्च तक इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी हैं।

कोई घोषणा नहीं कर रहा हूं, कोहली ने संन्यास की अफवाहों को खारिज किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने शनिवार को स्पष्ट रूप से कहा कि वह फिलहाल संन्यास के बारे में नहीं सोच रहे हैं क्योंकि वह खेल का आनंद ले रहे हैं और उनके अंदर 'प्रतिस्पर्धी भावना' पूरी तरह से बरकरार है। कोहली ने दुबई में हाल में भारत की चैंपियंस ट्रॉफी जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जिसके बाद कप्तान रोहित शर्मा ने भी उनके बारे में संन्यास की चर्चाओं को खारिज कर दिया।

कोहली ने 'आरसीबी इनोवेशन लैब' में एक बातचीत सत्र के दौरान कहा, ''घबराइए नहीं। मैं कोई घोषणा नहीं कर रहा हूं। अभी तक सब कुछ ठीक है। मुझे अब भी खेलना पसंद है। ''

कोहली ने कहा कि उन्हें उपलब्धियां हासिल करने की इच्छा नहीं है लेकिन वह पूरी तरह क्रिकेट का आनंद लेने के लिए खेल रहे हैं। उन्होंने कहा, ''मेरे लिए खेलना अब पूरी तरह से आनंद, प्रतिस्पर्धी भावना और खेल के प्रति प्रेम है। और जब तक यह है, मैं खेलना जारी रखूंगा। जैसा कि मैंने आज कहा कि मैं किसी उपलब्धि के लिए नहीं खेल रहा हूं। ''

कोहली ने कहा कि 'प्रतिस्पर्धी भावना' के कारण खिलाड़ी के लिए खेल से दूर जाने का सही समय ढूंढना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने कहा, ''आप जानते हैं कि प्रतिस्पर्धी भावना आपको संन्यास के सवाल का जवाब नहीं ढूंढने देती है। इस बारे में राहुल द्रविड़ से मेरी बहुत दिलचस्प बातचीत हुई। ''

कोहली ने कहा, ''उन्होंने कहा कि आप अपने जीवन में किस जगह हैं, इसका पता लगाएं और इसका जवाब इतना आसान नहीं है। हो सकता है कि आप एक बुरे दौर से गुजर रहे हों और आपको लगे कि बस यही है। लेकिन हो सकता है कि ऐसा नहीं हो। लेकिन जब भी समय आएगा तो मेरी प्रतिस्पर्धी भावना मुझे इसे स्वीकार करने की अनुमति नहीं देगी। '' उन्होंने कहा, ''शायद एक और महीना। शायद छह और महीने। इसलिए मुझे लगता है कि यह एक अच्छा संतुलन है। अपने जीवन के इस समय में मैं बहुत खुश महसूस कर रहा हूं। '' लेकिन कोहली ने माना कि बढ़ती उम्र ने उनके खेल के शीर्ष पर बने रहने की पूरी प्रक्रिया को थोड़ा और कठिन बना दिया है। उन्होंने कहा, ''मैं अपनी ऊर्जा को सही जगह पर रखना चाहता हूं। अब इसमें बहुत अधिक प्रयास की जरूरत होती है और जो लोग लंबे समय तक खेल चुके हैं, वे इसे समझते हैं। आप 30 की उम्र के बाद इतने सारे काम नहीं कर सकते जितना आप 20 की उम्र में कर सकते हैं। मैं भी अपने जीवन में थोड़ा अलग मुकाम पर हूं। '' इस 36 साल के खिलाड़ी ने कहा, ''मुझे लगता है कि यह नैसर्गिक प्रगति है। मुझे भरोसा है कि ये सभी युवा खिलाड़ी भी इसी मुकाम पर पहुंचेंगे। लेकिन अब मेरे अंदर की ऊर्जा से मैं बहुत शांत महसूस करता हूं। ''

दहेज न मिलने पर महिला को ससुराल से निकाला, मामला दर्ज

भदोही (उप्र)/भाषा। जिले में कथित तौर पर दहेज की मांग के चलते महिला को सुसराल से निकालने और तीन साल के उसके बेटे को जबरन उससे छीन लेने के मामले में भदोही पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

महिला थाने की प्रभारी सीमा सिंह ने बताया कि इस संबंध में पीड़िता शमशीन रहबर (24) की तहरीर पर 13 मार्च को महिला थाने में उसके पति मोहम्मद सैफ उर्फ़ गोलू, ससुर फ़िरोज़ उर्फ़ दुल्लर, सास शहनाज़ बानो, देवर शाहरुख और देवरानी मुस्कान के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 85, 351(2), 352 और दहेज़ प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3/4 के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने दर्ज मामले के आधार पर कहा कि जिले के गोपीगंज निवासी सलमान खुर्शीद ने 2020 में अपनी बेटी शमशीन रहबर की शादी लेलुआपार पश्चिम शरीरा, जिला कौशांबी के सैफ उर्फ़ गोलू से की थी। शादी के बाद से ही लड़की को दहेज में पांच लाख रुपए लाने की मांग को लेकर तरह-तरह से परेशान किया जाता था।

थाना प्रभारी ने कहा कि शमशीन और सैफ का तीन साल का बेटा अता अहमद है। पिछले वर्ष अक्टूबर में दहेज़ में पांच लाख रुपए की मांग पूरी नहीं होने पर ससुराल वालों ने शमशीन से उसका बेटा छीन लिया और मारपीट कर ससुराल से निकाल दिया जिसके बाद वह गोपीगंज में अपने मायके में आ गई।

रोहित बने रह सकते हैं टेस्ट कप्तान, आईपीएल के मध्य में अंतिम फैसला बीसीसीआई करेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। चैंपियंस ट्रॉफी की जीत ने रोहित शर्मा की चमक बढ़ा दी है और अगर वह टेस्ट कप्तान बरकरार रहें और इंग्लैंड दौरे पर टीम के कप्तान के तौर पर जाएं तो यह हैरानी की बात नहीं होगी, हालांकि चयनकर्ताओं ने 20 जून से शुरू होने वाले दौरे के लिए अभी तक कोई फैसला नहीं किया है। रोहित पर दुबई में अच्छा प्रदर्शन करने का दबाव था, दुबई में खिताब ने निश्चित रूप से कप्तान को राहत दी है। लेकिन सवाल यह है कि क्या राष्ट्रीय चयन समिति चुनौतीपूर्ण टेस्ट प्रारूप पर फैसला लेते समय वनडे प्रारूप में सफलता पर विचार करेगी।

टीम को पिछले डब्ल्यूटीसी (विश्व टेस्ट चैंपियनशिप) चक्र में छह शिकस्त मिली थी। भारत के लिए नया चक्र इंग्लैंड शृंखला से शुरू होगा जहां पहला टेस्ट लीड्स में खेला जाएगा। बीसीसीआई के एक सूत्र ने नाम नहीं बताने की शर्त पर पीटीआई को बताया, ''तकनीकी रूप से रोहित टेस्ट कप्तान हैं। उन्होंने सिडनी में आखिरी टेस्ट से खुद को स्वेच्छा से बाहर रखा, जहां उन्होंने समझाने की कोशिश की कि एक टीम खराब फॉर्म में चल रहे कई बल्लेबाजों के साथ खेलना जारी नहीं रख सकती। '' उन्होंने कहा, ''ऑस्ट्रेलिया टेस्ट के बाद भारत ने कोई टेस्ट नहीं खेला है, इसलिए टेस्ट कप्तानी में कोई बदलाव नहीं हुआ है। साथ ही रोहित ने कभी नहीं कहा कि वह टेस्ट नहीं खेलना चाहते हैं। '' हालांकि सूत्र ने कहा कि राष्ट्रीय चयन समिति ने अभी तक इंग्लैंड शृंखला पर फैसला नहीं किया है। उन्होंने कहा, ''चयन समिति को आईपीएल के दौरान छुट्टी मिलती है। जाहिर है सभी मैचों का टेलीविजन पर प्रसारण होने के कारण उन्हें हमेशा यात्रा करने की जरूरत नहीं होती है। जब तक कि उनके पास कोई विशिष्ट रणनीति नहीं हो या वे किसी विशेष खिलाड़ी को करीब से देखना नहीं चाहें, वे यात्रा नहीं करते। '' सूत्र ने कहा, ''इसलिए एक बार जब आईपीएल शुरू हो जाएगा तो इंग्लैंड शृंखला के लिए खाका किसी भी समय तैयार किया जाएगा। लेकिन कोच गौतम गंभीर के दृष्टिकोण का बहुत महत्व होगा। ''

सुविचार

उपदेश देना सरल है,
पर उपाय बताना कठिन।
-रवीन्द्रनाथ टैगोर

ट्वीट

माननीय केंद्रीय मंत्री श्री भूपेंद्र यादव के पूज्य पिताजी श्री कदम सिंह जी का निधन का समाचार अत्यंत दु:खद है। प्रभु श्री राम पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान एवं शोकाकुल परिजनों को यह अथाह दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

-भजनलाल शर्मा

प्रदेशभर में होली संपन्न कराने में पुलिसकर्मियों की अहम भूमिका रही है, लेकिन अब अपनी लंबित मांगों को लेकर वे खुद होली का बहिष्कार करने को मजबूर हैं। प्रमोशन, भत्ता बढ़ाने, अवकाश, स्थानांतरण पॉलिसी आदि को लेकर कोई ठोस निर्णय नहीं हुआ है।

-सचिन पायलट

कहानी

भगवतीचरण वर्मा

प्रायश्चित

अगर कबरी बिल्ली घर-भर में किसी से प्रेम करती थी तो रामू की बहू से, और अगर रामू की बहू घर-भर में किसी से घृणा करती थी तो कबरी बिल्ली से। रामू की बहू, दो महीने हुए मायके से प्रथम बार ससुराल आई थी, पति की प्यारी और सास की दुलारी, चौदह वर्ष की बालिका। भंडार-घर की चाभी उसकी करधनी में लटकने लगी, नौकरों पर उसका हुक्म चलने लगा, और रामू की बहू घर में सब कुछ; सासजी ने माला ली और पूजा-पाठ में मन लगाया।

लेकिन ठहरी चौदह वर्ष की बालिका, कभी भंडार-घर खुला है तो कभी भंडार-घर में बैठे-बैठे सो गई। कबरी बिल्ली को मौक़ा मिला, घी-दूध पर अब वह जुट गई। रामू की बहू की जान आफ़त में और कबरी बिल्ली के छक्के-पंजे। रामू की बहू हाँडी में घी रखते-रखते ऊँघ गई और बचा हुआ घी कबरी के पेट में। रामू की बहू दूध ढककर मिसरानी को जिन्स देने गई और दूध नदारद। अगर बात यहीं तक रह जाती, तो भी बुरा न था, कबरी रामू की बहू से कुछ ऐसा परच गई थी कि रामू की बहू के लिए खाना-पीना दुश्वार। रामू की बहू के कमरे में रबड़ी से भरी कटोरी पहुँची और रामू जब आए तब तक कटोरी साफ़ चटी हुई। बाज़ार से बालाई आई और जब तक रामू की बहू ने पान लगाया बालाई ग़ायब। रामू की बहू ने तय कर लिया कि या तो वही घर में रहेगी या फिर कबरी बिल्ली ही। मोर्चाबंदी हो गई, और दोनों सतर्क। बिल्ली फँसाने का कठघरा आया, उसमें दूध बालाई, चूहे, और भी बिल्ली को स्वादिष्ट लगने वाले विविध प्रकार के व्यंजन रखे गए, लेकिन बिल्ली ने उधर निगाह तक न डाली। इधर कबरी ने सरगर्मी दिखलाई। अभी तक तो वह रामू की बहू से डरती थी; पर अब वह साथ लग गई, लेकिन इतने फ़ासिले पर कि रामू की बहू उस पर हाथ न लगा सके।

कबरी के हौसले बढ़ जाने से रामू की बहू को घर में रहना मुश्किल हो गया। उसे मिलती थीं सास की मीठी झिड़कियाँ और पतिदेव को मिलता था रूखा-सूखा भोजन।

एक दिन रामू की बहू ने रामू के लिए खीर बनाई। पिस्ता, बादाम, मखाने और तरह-तरह के मेवे दूध में ओटे गए, सोने का वर्क चिपकाया गया और खीर से भरकर कटोरा कमरे के एक ऐसे ऊँचे ताक़ पर रखा गया, जहाँ बिल्ली न पहुँच सके। रामू की बहू इसके बाद पान लगाने में लग गई।

उधर बिल्ली कमरे में आई, ताक़ के नीचे खड़े होकर उसने ऊपर कटोरे की ओर देखा, सूँघा, माल अच्छा है, ताक़ की ऊँचाई अंदाज़ी। उधर रामू की बहू पान लगा रही है। पान लगाकर रामू की बहू सासजी को पान देने चली गई और कबरी ने छलाँग मारी, पंजा कटोरे में लगा और कटोरा झनझनाहट की आवाज़ के साथ फ़र्श पर।

आवाज़ रामू की बहू के कान में पहुँची, सास के सामने पान फेंककर वह दौड़ी, क्या देखती है कि फूल का कटोरा टुकड़े-टुकड़े, खीर फ़र्श पर और बिल्ली डटकर खीर उड़ा रही है। रामू की बहू को देखते ही कबरी चपत।

रामू की बहू पर ख़ून सवार हो गया, न रहे बाँस, न बजे बाँसुरी, रामू की बहू ने कबरी की हत्या पर कमर कस ली। रात-भर उसे नींद न आई, किस दाँव से कबरी पर वार किया जाए कि फिर ज़िंदा न बचे, यही पड़े-पड़े सोचती रही। सुबह हुई और वह देखती है कि कबरी देहरी पर बैठी बड़े प्रेम से उसे देख रही है।

रामू की बहू ने कुछ सोचा, इसके बाद मुस्कुराती हुई वह उठी। कबरी रामू की बहू के उठते ही खिसक गई। रामू की बहू एक कटोरा दूध कमरे के दरवाज़े की देहरी पर रखकर चली गई। हाथ में पाटा लेकर वह लौटी तो देखती है कि कबरी दूध पर जुटी हुई है। मौक़ा हाथ में आ गया, सारा बल लगाकर पाटा उसने बिल्ली पर पटक दिया। कबरी न हिली, न डुली, न चीख़ी, न चिल्लाई, बस एकदम उलट गई।

आवाज़ जो हुई तो महरी झाड़ू छोड़कर, मिसरानी रसोई छोड़कर और सास पूजा छोड़कर घटनास्थल पर उपस्थित हो गईं। रामू की बहू सर झुकाए हुए अपराधिनी की भाँति बातें सुन रही है।

महरी बोली- अरे राम! बिल्ली तो मर गई। माँजी, बिल्ली की हत्या बहू से हो गई, यह तो बुरा हुआ। मिसरानी बोली- माँजी, बिल्ली की हत्या और आदमी की हत्या बराबर है, हम तो रसोई न बनाएँगी, जब तक बहू के सिर हत्या रहेगी।

सास जी बोलीं- हाँ, ठीक तो कहती हो, अब जब तक बहू के सर से हत्या न उतर जाए, तब तक न कोई पानी पी सकता है, न खाना खा सकता है, बहू, यह क्या कर डाला? महरी ने कहा- फिर क्या हो, कहो तो पंडितजी को बुलाय लाई। सास की जान-में-जान आई- अरे हाँ, जल्दी दौड़ के पंडितजी को बुला लो।

बिल्ली की हत्या की ख़बर बिजली की तरह पड़ोस में फैल गई-पड़ोस की औरतों का रामू के घर ताँता बँध गया। चारों तरफ़ से प्रश्नों की बौछार और रामू की बहू सिर झुकाए बैठी।

पंडित परमसुख को जब यह ख़बर मिली, उस समय वह पूजा कर रहे थे। ख़बर पाते ही वे उठ पड़े-पंडिताइन से मुस्कुराते हुए बोले- भोजन न बनाना, लाला घासीराम की पतोहू ने बिल्ली मार डाली, प्रायश्चित होगा, पकवानों पर हाथ लगेगा।

पंडित परमसुख चौबे छोटे-से मोटे-से आदमी थे। लंबाई चार फीट दस इंच और तोंद का घेरा अट्ठावन इंच। चेहरा गोल-मटोल, मूँछ बड़ी-बड़ी, रंग गोरा, चोटी कमर तक पहुँचती हुई। कहा जाता है कि मथुरा में जब पसेरी ख़ुराकवाले पंडितों को ढूँढ़ा जाता था, तो पंडित परमसुखजी को उस लिस्ट में प्रथम स्थान दिया जाता था।

पंडित परमसुख पहुँचे और कोरम पूरा हुआ। पंचायत बैठी-सासजी, मिसरानी, किसनू की माँ, छन्नू की दादी और पंडित परमसुख। बाक़ी स्त्रियाँ बहू से सहानुभूति प्रकट कर रही थीं।

किसनू की माँ ने कहा- पंडितजी, बिल्ली की हत्या करने से कौन नरक मिलता है?

पंडित परमसुख ने पत्रा देखते हुए कहा- बिल्ली की हत्या अकेले से तो नरक का नाम नहीं बतलाया जा सकता, वह महूरत भी मालूम हो, जब बिल्ली की हत्या हुई, तब नरक का पता लग सकता है। यही कोई सात बजे सुबह- मिसरानीजी ने कहा।

पंडित परमसुख ने पत्रे के पन्ने उलटे, अक्षरों पर उँगलियाँ चलाईं, माथे पर हाथ लगाया और कुछ सोचा। चेहरे पर धुंधलापन आया, माथे पर बल पड़े, नाक कुछ सिकुड़ी और स्वर गंभीर हो गया- हरे कृष्ण! हे कृष्ण! बड़ा बुरा हुआ, प्रातःकाल ब्रह्म-मुहूर्त में बिल्ली की हत्या! घोर कुंभीपाक नरक का विधान है! रामू की माँ, यह तो बड़ा बुरा हुआ।

रामू की माँ की आँखों में आँसू आ गए- तो फिर पंडितजी, अब क्या होगा, आप ही बतलाएँ!

पंडित परमसुख मुस्कुराए- रामू की माँ, चिंता की कौन-सी बात है, हम पुरोहित फिर कौन दिन के लिए हैं? शास्त्रों में प्रायश्चित का विधान है, सो प्रायश्चित से सब कुछ ठीक हो जाएगा। रामू की माँ ने कहा- पंडितजी, इसीलिए तो आपको बुलवाया था, अब आगे बतलाओ कि क्या किया जाए?

किया क्या जाए, यही एक सोने की बिल्ली बनवाकर बहू से दान करवा दी जाए-जब तक बिल्ली न दे दी जाएगी, तब तक तो घर अपवित्र रहेगा, बिल्ली दान देने के बाद इक्कीस दिन का पाठ हो जाए। छन्नू की दादी बोली- हाँ और क्या, पंडितजी ठीक तो कहते हैं, बिल्ली अभी दान दे दी जाए और पाठ फिर हो जाए।

रामू की माँ ने कहा- तो पंडितजी, कितने तोले की बिल्ली बनवाई जाए?

पंडित परमसुख मुस्कुराए, अपनी तोंद पर हाथ फेरते हुए उन्होंने कहा- बिल्ली कितने तोले की बनवाई जाए? अरे रामू की माँ, शास्त्रों में तो लिखा है कि बिल्ली के वज़न-भर सोने की बिल्ली बनवाई जाए। लेकिन अब कलियुग आ गया है, धर्म-कर्म का नाश हो गया है, श्रद्धा नहीं रही। सो रामू की माँ, बिल्ली के तौल भर की बिल्ली तो क्या बनेगी, क्योंकि बिल्ली बीस-इक्कीस सेर से कम की क्या होगी, हाँ, कम-से-कम इक्कीस तोले की बिल्ली बनवाकर दान करवा दो और आगे तो अपनी-अपनी श्रद्धा!

रामू की माँ ने आँखें फाड़कर पंडित परमसुख को देखा- अरे बाप रे! इक्कीस तोला सोना! पंडितजी यह तो बहुत है, तोला-भर की बिल्ली से काम न निकलेगा?

पंडित परमसुख हँस पड़े- रामू की माँ! एक तोला सोने की बिल्ली! अरे रुपया का लोभ बहू से बढ़ गया? बहू के सिर बड़ा पाप है, इसमें इतना लोभ ठीक नहीं! मोल-तोल शुरू हुआ और मामला ग्यारह तोले की बिल्ली पर ठीक हो गया।

इसके बाद पूजा-पाठ की बात आई। पंडित परमसुख ने कहा- उसमें क्या मुश्किल है, हम लोग किस दिन के लिए हैं रामू की माँ, मैं पाठ कर दिया करुँगा, पूजा की सामग्री आप हमारे घर भिजवा देना। पूजा का सामान कितना लगेगा?

अरे, कम-से-कम में हम पूजा कर देंगे, दान के लिए क़रीब दस मन गेहूँ, एक मन चावल, एक मन दाल, मन-भर तिल, पाँच मन जौ और पाँच मन चना, चार पसेरी घी और मन-भर नमक भी लगेगा। बस, इतने से काम चल जाएगा।

अरे बाप रे! इतना सामान! पंडितजी इसमें तो सौ-डेढ़ सौ रुपया ख़र्च हो जाएगा-रामू की माँ ने रुआँसी होकर कहा।

फिर इससे कम में तो काम न चलेगा। बिल्ली की हत्या कितना बड़ा पाप है, रामू की माँ! ख़र्च को देखते वक़्त पहले बहू के पाप को तो देख लो! यह तो प्रायश्चित है, कोई हँसी-खेल थोड़े ही है-और जैसी जिसकी मरजादा, प्रायश्चित में उसे वैसा ख़र्च भी करना पड़ता है। आप लोग कोई ऐसे-वैसे थोड़े हैं, अरे सौ-डेढ़ सौ रुपया आप लोगों के हाथ का मैल है।

पंड़ित परमसुख की बात से पंच प्रभावित हुए, किसनू की माँ ने कहा- पंडितजी ठीक तो कहते हैं, बिल्ली की हत्या कोई ऐसा-वैसा पाप तो है नहीं-बड़े पाप के लिए बड़ा ख़र्च भी चाहिए।

छन्नू की दादी ने कहा- और नहीं तो क्या, दान-पुन्न से ही पाप कटते हैं। दान-पुन्न में किफ़ायत ठीक नहीं। मिसरानी ने कहा- और फिर माँजी आप लोग बड़े आदमी ठहरे। इतना ख़र्च कौन आप लोगों को अखरेगा।

रामू की माँ ने अपने चारों ओर देखा-सभी पंच पंडितजी के साथ। पंडित परमसुख मुस्कुरा रहे थे। उन्होंने कहा- रामू की माँ! एक तरफ़ तो बहू के लिए कुंभीपाक नरक है और दूसरी तरफ़ तुम्हारे ज़िम्मे थोड़ा-सा ख़र्चा है। सो उससे मुँह न मोड़ो।एक ठंडी साँस लेते हुए रामू की माँ ने कहा- अब तो जो नाच नचाओगे नाचना ही पड़ेगा।

पंडित परमसुख ज़रा कुछ बिगड़कर बोले- रामू की माँ! यह तो ख़ुशी की बात है-अगर तुम्हें यह अखरता है तो न करो, मैं चला-इतना कहकर पंडितजी ने पोथी-पत्रा बटोरा। अरे पंडितजी-रामू की माँ को कुछ नहीं अखरता- बेचारी को कितना दु:ख है-बिगड़ो न!- मिसरानी, छन्नू की दादी और किसनू की माँ ने एक स्वर में कहा।

रामू की माँ ने पंडितजी के पैर पकड़े-और पंडितजी ने अब जमकर आसन जमाया।

और क्या हो? इक्कीस दिन के पाठ के इक्कीस रुपए और इक्कीस दिन तक दोनों बखत पाँच-पाँच ब्राह्मणों को भोजन करवाना पड़ेगा, कुछ रुककर पंडित परमसुख ने कहा- सो इसकी चिंता न करो, मैं अकेले दोनों समय भोजन कर लूँगा और मेरे अकेले भोजन करने से पाँच ब्राह्मण के भोजन का फल मिल जाएगा।

यह तो पंडितजी ठीक कहते हैं, पंडितजी की तोंद तो देखो! मिसरानी ने मुस्कुराते हुए पंडितजी पर व्यंग किया। अच्छा तो फिर प्रायश्चित का प्रबंध करवाओ, रामू की माँ ग्यारह तोला सोना निकालो, मैं उसकी बिल्ली बनवा लाऊँ-दो घंटे में मैं बनवाकर लौटूँगा, तब तक सब पूजा का प्रबंध कर रखो-और देखो पूजा के लिए

पंडितजी की बात ख़त्म भी न हुई थी कि महरी हाँफती हुई कमरे में घुस आई और सब लोग चौंक उठे। रामू की माँ ने घबराकर कहा- अरी क्या हुआ री? महरी ने लड़खड़ाते स्वर में कहा-माँजी, बिल्ली तो उठकर भाग गई!

- 'हिन्दीवी.ओआरजी' से साभार

संजय उवाच

■ संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

मिलें होली, खेलें होली

क्यों बाहर रंग तलाशता मनुष्य/
अपने भीतर देखो रंगों का इंद्रधनुष..,

जिसकी अपने भीतर का इंद्रधनुष देखने की दृष्टि विकसित हो ली, बाहर की दुनिया में उसके लिए नित मनती है होली। रासरचैया उन आँखों में हर क्षण रचाते हैं रास, उन आँखों का स्थायी भाव बन जाता है फाग।

फाग, गले लगने और लगाने का रास्ता दिखाता है पर उस पर चल नहीं पाते। जानते हो क्यों? अहंकार की बढ़ी हुई तोंद अपनत्व को गले नहीं लगने देती। वस्तुत: दर्प, मद, राग, मत्सर, कटुता का दहन कर उसकी धूलि में नेह का नवांकुरण है होली।

नेह की सरिता जब धाराप्रवाह बहती है तो धारा न रहकर राधा हो जाती है। शाश्वत प्रेम की शाश्वत प्रतीक हैं राधारानी। उनकी आँखों में, हृदय में, रोम-रोम में प्रेम है, श्वास-श्वास में राधारमण हैं।

सुनते हैं कि एक बार राधारमण गंभीर रूप से बीमार पड़े। सारे वैद्य हार गए। तब भगवान ने स्वयं अपना उपचार बताते हुए कहा कि उनकी कोई परमभक्त गोपी अपने चरणों को धो कर यदि वह जल उन्हें पिला दे तो वह ठीक हो सकते हैं। परमभक्त सिद्ध न हो पाने भय, श्रीकृष्ण को चरणामृत देने का संकोच जैसे अनेक कारणों से कोई गोपी सामने नहीं आई। राधारानी को ज्यों ही यह बात पता लगी, बिना एक क्षण विचार किए उन्होंने अपने चरण धो कर प्रयुक्त जल भगवान के प्राशन के लिए भेज दिया।

वस्तुत: प्रेम का अंकुरण भीतर से होना चाहिए। शब्दों को वर्णों का समुच्चय समझने वाले असंख्य आए, आए सो असंख्य गए। तथापि जिन्होंने शब्दों का मोल, अनमोल समझा, शब्दों को बाँचा भर नहीं बल्कि भरपूर जिया, प्रेम उन्हीं के भीतर पुष्पित, पल्लवित, गुंफित हुआ। शब्दों का अपना मायाजाल होता है किंतु इस माया में रमनेवाला मालामाल होता है। इस जाल से सच्ची माया करोगे, शब्दों के अर्थ को जियोगे तो सीस देने का भाव उत्पन्न होगा। जिसमें सीस देने का भाव उत्पन्न हुआ, ब्रह्मरस प्रेम का उसे ही आसीस मिला।

प्रेम ना बाड़ी ऊपजै / प्रेम न हाट बिकाय/
राजा, परजा जेहि रुचै / सीस देइ ले जाय...

बंजर देकर उपजाऊ पाने का सबसे बड़ा पर्व है धूलिवंदन। शीश देने की तैयारी हो तो आओ सब चलें, सब लें प्रेम का आशीष..!

इंद्रधनुष का सुलझा गणित / रंगी-बिरंगी छटाएँ अंतर्निहित / अंतस में पहले सद्भाव जगाएँ /नित-प्रति तब होली मनाएँ।....

मिलें होली, खेलें होली! ..शुभ होली।

बोध कथा

बेशकीमती फूलदान

कई साल पहले की बात है। विजयनगर नाम का एक राज्य था, जहां के राजा कृष्णदेव राय थे। कृष्णदेव राय हर साल विजयनगर का वार्षिक उत्सव बहुत ही धूमधाम से मनाते थे। पड़ोसी राज्यों से अच्छी मित्रता होने के कारण वहां के राजा भी इस उत्सव में शामिल होते थे और राजा कृष्णदेव राय को उपहार व भेंट देते या भेजवाते थे। हर साल की तरह इस बार भी विजयनगर वार्षिक उत्सव मनाया गया और इस अवसर पर राजा कृष्णदेव राय को चार बेशकीमती फूलदान उपहार में मिलें।

फूलदानों को देखते ही राजा का मन उन पर आ गया, और ऐसा होता भी क्यों न? उन सभी फूलदानों की शोभा देखते ही बनती थी। उन्हें देखकर ऐसा लगता था मानों प्रकृति के सभी रंगों को मिलाकर उन्हें रंगा गया हो व गहन नक्काशी से तराशा गया हो। जब बात इन फूलदानों की देखरेख की आई, तो महल के सबसे काबिल सेवक रमैया को इसका कार्यभार सौंपा गया। रमैया भी खूब ध्यान से उनका ख्याल रखने लगा। वह उन पर कभी धूल न लगने देता, बड़े सलीके से फूलों को सजाता व फूलों से बढ़कर फूलदानों की देखरेख करता।

ऐसे ही एक दिन जब वह फूलदान साफ कर रहा था तो अचानक एक फूलदान उसके हाथों से फिसलकर जमीन पर जा गिरा और चूर-चूर हो गया। यह देखकर वह डरकर वहीं जम गया। इस बात की खबर जब राजा कृष्णदेव राय तक पहुंची तो वह गुस्से से आगबबूला हो गए। उन्होंने आवेश में आकर सेवक रमैया को फांसी की सजा सुना दी। बेचारा रमैया फांसी की सजा सुनकर रोने व कांपने लगा। उसी सभा में राजा के प्रिय अष्ट दिग्गजों में से एक तेनालीराम भी बैठे थे और यह सब देख रहे थे। उन्होंने राजा को इस विषय में कुछ समझाना चाहा और अपनी राय देनी चाही। उस समय राजा का गुस्सा सातवें आसमान पर था और वे किसी की भी बात सुनने को राजी नहीं थे। इसलिए स्थिति को भांपते हुए तेनालीराम ने चुप रहना ही ठीक समझा। फांसी का दिन तय किया गया। सेवक रमैया का रो-रोकर बुरा हाल था। ऐसे में जब तेनालीराम रमैया से मिलने के लिए गए तो रमैया उनसे अपने प्राणों को बचाने की गुहार लगाने लगा। तेनालीराम ने रमैया के कानों में धीरे से कुछ कहा, जिसे सुनकर उसके चेहरे के भाव कुछ शांत हुए और उसने अपने आंसू पोंछे। आखिरकार फांसी का दिन भी आ ही गया। रमैया निश्चिंत, शांत खड़ा था। फांसी देने से पहले रमैया से उसकी आखिरी इच्छा पूछी गई। रमैया ने झट से जवाब में कहा कि वह मरने से पहले बचे हुए तीनों फूलदानों को एक अंतिम बार देखना व छूना चाहता है। सभी को उसकी यह इच्छा सुनकर बहुत हैरानी हुई। आदेशानुसार तीनों फूलदानों को मंगवाया गया। रमैया ने पहले सभी फूलदानों को निहारा, उन्हें धीरे से उठाया और एक-एक करके सभी फूलदानों को जमीन पर पटक दिया जिससे वे टूट कर बिखर गए। राजा यह देखकर गुस्से से लाल हो गए और उन्होंने रमैया से पूछा, मूर्ख! तेरी इतनी हिम्मत। बोल तूने ऐसा दुस्साहस क्यों किया? रमैया ने थोड़ा मुस्कुराकर जवाब दिया, मेरे भूल के कारण आपका एक बेशकीमती फूलदान टूट गया, जिसकी वजह से मुझे मृत्युदंड मिल रहा है। अगर भविष्य में किसी सेवक द्वारा ये तीनों फूलदान गलती से टूट जाते हैं तो मैं नही चाहता कि उन्हें भी मेरी तरह मृत्युदंड मिले और ये दिन देखना पड़े। इसलिए मैंनें स्वयं ही बाकी बचे हुए फलदानों को तोड़ दिया। यह सुनकर राजा का गुस्सा शांत हुआ। उन्हें समझ में आ गया कि किसी व्यक्ति की जिंदगी एक निर्जीव फूलदान से बढ़कर नहीं हो सकती है, तथा वह गुस्से में आकर एक तुच्छ वस्तु के लिए किसी भी व्यक्ति के प्राण नहीं ले सकते। उन्होंने सेवक रमैया को उसकी गलती के लिए माफ कर दिया। साथ में खड़े तेनालीराम यह सब देख मंद-मंद मुस्कुरा रहे थे। राजा ने रमैया से पूछा कि 'तुम्हें ऐसा करने को किसने कहा था?' रमैया ने राजा को सारी बात बताई कि ऐसा तेनालीराम ने उसे करने को कहा था। यह सुनते ही राजा ने तेनालीराम को गले से लगा लिया और कहा, तेनालीराम, आज तुमने मुझे बहुत बड़ी भूल करने से बचा लिया और साथ ही एक काबिल सेवक की जान भी बचा ली।

वीर गाथा

कर्नल एमबी रवींद्रनाथ: जब कारगिल की पहाड़ी पर लहराया तिरंगा तो झूम उठा था पूरा भारत

कर्नल मागोद बसप्पा रवींद्रनाथ का जन्म 15 मई, 1959 को कर्नाटक के कुंदूर गांव में हुआ था। वे 7 जून, 1980 को भारतीय सेना में भर्ती हुए थे। उन्होंने कारगिल युद्ध के दौरान तोलोलिंग ऑपरेशन, प्वाइंट 4590 और एरिया थ्री पिंपल्स (एरिया ब्लैक रॉक) में अद्भुत पराक्रम दिखाया था।

एमबी रवींद्रनाथ ने गहरी सूझबूझ के आधार पर रणनीति बनाई और अपनी टोही टीम का शानदार नेतृत्व किया, जब दुश्मन उन पर भारी गोलाबारी कर रहा था। 12 जून, 1999 को जब तोलोलिंग ऑपरेशन जारी था, उनकी अग्रणी कंपनी पर दुश्मन ने खूब गोले बरसाए थे।

एमबी रवींद्रनाथ ने धैर्य रखा, हालात पर काबू पाया और आखिरकार तोलोलिंग एवं प्वाइंट 4590 पर भारतीय सेना का कब्जा हो गया। इसके लिए एमबी रवींद्रनाथ और साथी जवानों को कड़ा संघर्ष करना पड़ा था। चूंकि दुश्मन फौजी पहाड़ पर कई बंकर बनाकर छिपे हुए थे। वे नीचे अच्छी तरह से नजर रख सकते थे।

कर्नल रवींद्रनाथ ने अपने सैन्य कौशल से दुश्मन के हमले को विफल किया और तोलोलिंग एवं प्वाइंट 4590 पर पकड़ मजबूत की। तोलोलिंग ऑपरेशन के क्रम में बटालियन को 28 जून की रात को ब्लैक रॉक क्षेत्र पर कब्जा करने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। उस हमले के दौरान हमलावर कंपनी के दो अधिकारी वीरगति को प्राप्त हो गए थे। यह देश के लिए बहुत बड़ा नुकसान था, लेकिन एमबी रवींद्रनाथ ने अपने जवानों का हौसला बनाए रखा। उन्होंने हमले का नेतृत्व किया और ब्लैक रॉक क्षेत्र पर कब्जा कर लिया।

इस खबर से पूरे भारत में उत्साह की लहर दौड़ गई थी। वहीं, पाकिस्तानी फौज के हौसले पस्त हो गए थे। उसके फौजी मैदान छोड़कर भागने लगे थे।

कर्नल एमबी रवींद्रनाथ ने कारगिल युद्ध में भारत की जीत सुनिश्चित करने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उनके द्वारा किया गया वीरता का प्रदर्शन अनुकरणीय है। उन्हें 'वीर चक्र' से सम्मानित किया गया था। वे साल 2001 में सेना से सेवानिवृत्त हुए।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

सम्मान

नई दिल्ली में 2025-26 के बजट और ग्रामीण विकास पर आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को किसान प्रतिनिधियों द्वारा प्रतीकात्मक हल से सम्मानित किया गया।

अक्षय कुमार, प्रियंका चोपड़ा और वरुण धवन ने मनाया रंगों का त्योहार

नई दिल्ली/भाषा। अक्षय कुमार, प्रियंका चोपड़ा जोनास, वरुण धवन और माधुरी दीक्षित समेत कई बॉलीवुड सितारों ने शुक्रवार को होली के त्योहार की शुभकामनाएं दीं। बॉलीवुड सितारों ने होली की बधाई देने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया।

अक्षय ने 'इंस्टाग्राम' पर लिखा, ''होली की शुभकामनाएं।''

फिल्म की शूटिंग कर रहीं प्रियंका ने 'इंस्टाग्राम' पर तस्वीरों की एक शृंखला साझा की। उन्होंने लिखा, ''यह हमारे लिए कामकाजी होली है। मैं सभी को अपने प्रियजनों के साथ प्रसन्नता और एकजुटता से भरी होली की शुभकामनाएं देती हूं।''

उद्घाटन

मुंबई के कांदिवली पश्चिम में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर 'आनंदी मासिक धर्म और स्वच्छता प्रबंधन' कार्यक्रम के उद्घाटन के दौरान केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल।

युद्ध विराम समझौता लागू होने पर ही अमेरिकी-इजराइली बंधक रिहा किया जाएगा : हमास

काहिरा। हमास ने शनिवार को कहा कि वह एक अमेरिकी-इजराइली बंधक को तभी रिहा करेगा, जब इजराइल युद्ध विराम समझौते को लागू करेगा। इसने कहा कि यह समझौता लागू होने पर ही चार बंधकों के शव देगा और एक अमेरिकी-इजराइली बंधक को रिहा करेगा। गाजा पट्टी में इजराइली हवाई हमलों में कम से कम आठ लोग मारे गए, जिनमें एक स्थानीय पत्रकार भी शामिल है। फलस्तीनी चिकित्सकों ने यह जानकारी दी। हमास के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि युद्ध विराम के दूसरे चरण के लिए लंबे समय से विलंबित वार्ता रिहाई के दिन से शुरू होनी चाहिए और 50 दिन से अधिक नहीं चलनी चाहिए। इजराइल को मानवीय सहायता पर रोक लगाना बंद करना होगा तथा मिस्र के साथ गाजा की सीमा पर स्थित रणनीतिक गलियारे से भी हटना होगा।

एक अधिकारी ने बताया कि हमास बंधकों के बदले में और अधिक फलस्तीनी कैदियों की रिहाई की भी मांग करेगा। हमास के सात अक्टूबर, 2023 के हमले के दौरान 21 वर्षीय एडन अलेक्जेंडर को अगवा कर लिया गया था। हमास की गिरफ्त में अब भी कुल 59 बंधक हैं, जिनमें से 35 को मार दिये जाने की आशंका है। इंडोनेशियाई अस्पताल ने बताया कि शनिवार को उत्तरी शहर बेत लाहिया के एक ही क्षेत्र में हुए दो हवाई हमलों में जान गंवाने वाले आठ लोगों के शव लाये गये। उत्तरी गाजा में आपातकालीन सेवाओं के प्रमुख फरेस अवाद ने मृतकों में से एक की पहचान स्थानीय पत्रकार महमूद इस्लाम के रूप में की, जो ड्रोन उड़ा रहा था। इजराइल की ओर से हमास के प्रस्ताव पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की गई। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने शुक्रवार को हमास पर ''मनोवैज्ञानिक युद्ध'' छेड़ने का आरोप लगाया।

अमेरिका ने कहा कि उसने बुधवार को युद्ध विराम को कुछ और सप्ताह बढ़ाने का प्रस्ताव पेश किया है, क्योंकि दोनों पक्ष स्थायी युद्धविराम के लिए बातचीत कर रहे हैं। वरिष्ठ हमास नेता खलील अल-हय्या के शुक्रवार को काहिरा पहुंचने के बाद मिस्र में वार्ता जारी रही। मिस्र और कतर ने युद्ध विराम तक पहुंचने में हमास के साथ प्रमुख मध्यस्थ के रूप में काम किया।

स्पेसएक्स ने नासा के फंसे हुए अंतरिक्ष यात्रियों का स्थान लेने के लिए नया दल अंतरिक्ष स्टेशन भेजा

केप कैनवेरल । अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में लंबे समय से फंसे नासा के दो अंतरिक्ष यात्रियों बुच विल्मोर और सुनीता विलियम्स के स्थान पर अन्य अंतरिक्ष यात्रियों को तैनात करने के लिए शुक्रवार रात एक यान को रवाना किया गया। इसके साथ ही विलियम्स और विल्मोर की वापसी का रास्ता साफ हो गया। नासा चाहता है कि अंतरिक्ष स्टेशन में यह नया दल वहां मौजूद विलियम्स और विल्मोर से मुलाकात करे ताकि विल्मोर और विलियम्स 'ऑर्बिटिंग लैब' में होने वाली घटनाओं के बारे में नए लोगों को बता सकें। माना जा रहा है कि अगर मौसम सही रहा तो दोनों फंसे अंतरिक्ष यात्रियों को अगले सप्ताह फ्लोरिडा के तट के निकट जलक्षेत्र में उतारा जाएगा।

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी के कैनेडी स्पेस सेंटर से कक्षा में पहुंचने वाले इस नए दल में नासा के ऐनी मैक्लेन और निकोल एयर्स शामिल हैं तथा दोनों सैन्य पायलट हैं। इनके अलावा जापान के ताकुया ओनिशी और रूस के किरिल पेस्कोव भी रवाना हुए हैं और दोनों एयरलाइन कंपनियों के पूर्व पायलट हैं। ये चारों लोग विल्मोर और विलियम्स के धरती के लिए रवाना होने के बाद अगले छह महीने अंतरिक्ष स्टेशन में बिताएंगे, जिसे सामान्य अवधि माना जाता है।

उड़ान के कुछ ही मिनटों बाद मैक्लेन ने कहा, ''अंतरिक्ष उड़ान मुश्किल है, लेकिन इंसान उससे भी अधिक जटिल है।'' विल्मोर और विलियम्स बोइंग के नए स्टारलाइनर कैप्सूल से पांच जून को केप कैनवेरल से रवाना हुए थे। दोनों एक सप्ताह के लिए ही गए थे लेकिन अंतरिक्ष यान से हीलियम के रिसाव और वेग में कमी के कारण ये लगभग नौ माह से अंतरिक्ष स्टेशन में फंसे हुए हैं।

रूस को शांति से किसी तरह के खिलवाड़ की इजाजत नहीं : ब्रिटिश प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर

लंदन/भाषा

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर ने रूस के खिलाफ तथाकथित 'गठबंधन' को मजबूत करने के लिए शनिवार को 25 देशों के नेताओं के साथ डिजिटल तरीके से हुई एक बैठक की मेजबानी की। रूस तीन वर्ष से अधिक समय से यूक्रेन से युद्ध लड़ रहा है। स्टॉर्मर ने लंदन में '10 डाउनिंग स्ट्रीट' से कहा, हम पुतिन को राष्ट्रपति ट्रंप के समझौते से खिलवाड़ करने की अनुमति नहीं दे सकते।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रस्तावित शांति समझौते पर चर्चा के लिए बैठक में यूक्रेन, यूरोपीय संघ (ईयू), उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो), कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड का प्रतिनिधित्व करने वाले नेताओं के शामिल होने की उम्मीद थी। यह बैठक अगले सप्ताह होने वाली सैन्य योजना सत्र से पहले हुई।

ये सभी देश अगले सप्ताह होने वाली बैठक में क्षेत्र में शांति बनाए रखने के लिए सैन्य तैनाती की प्रकृति पर निर्णय लेंगे। उन्होंने कहा, अगर पुतिन शांति बहाली को लेकर गंभीर हैं, तो यह बहुत सरल है। उन्हें यूक्रेन पर अपने बर्बर हमलों को रोकना होगा और युद्ध विराम पर सहमत होना होगा। दुनिया देख रही है।

स्टॉर्मर ने रूसी प्रशासन पर ट्रंप के 30-दिवसीय युद्ध विराम प्रस्ताव की 'पूर्ण अवहेलना' करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, इससे सिर्फ यह पता चलता है कि पुतिन (रूसी राष्ट्रपति) शांति बहाली को लेकर गंभीर नहीं हैं। अगर रूस आखिरकार बातचीत करना चाहता है, तो हमें युद्ध विराम की निगरानी करने के लिए तैयार रहना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि शांति स्थायी है। अगर वह (पुतिन) ऐसा नहीं करते हैं, तो हमें इस युद्ध को समाप्त करने के लिए रूस पर आर्थिक दबाव बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास करने की जरूरत है।

स्टॉर्मर ने पुतिन पर युद्ध विराम से पहले व्यापक अध्ययन करने का आह्वान कर मामले को टालने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, दुनिया कुछ कदम उठाते हुए देखने चाहती है, न कि अध्ययन या खोखली बयानबाजी और निरर्थक शर्तें। क्रेमलिन को मेरा संदेश इससे ज्यादा स्पष्ट नहीं हो सकता। यूक्रेन पर बर्बर हमले हमेशा के लिए बंद कर दें और अभी युद्ध विराम पर सहमत हो जाएं। तब तक हम शांति स्थापित करने के लिए चौबीसों घंटे काम करते रहेंगे।

अपूर्वा अरोड़ा ने दिल्ली में अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग पूरी की

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री अपूर्वा अरोड़ा ने आधिकारिक तौर पर अपनी आगामी परियोजना की शूटिंग पूरी कर ली है। यह फिल्म भारत में थिएटर कलाकारों के जीवन को दर्शाती है। शूटिंग के दौरान अपूर्वा दिल्ली के बीचों-बीच पहुँचीं, जहाँ उन्होंने मंडी हाउस और चांदनी चौक में 15 दिनों तक शूटिंग की, ये दोनों स्थान शहर की समृद्ध सांस्कृतिक और कलात्मक विरासत से गहराई से जुड़े हुए हैं। अपने अनुभव को साझा करते हुए, अपूर्वा ने कहा, यह मेरे द्वारा अब तक देखे गए सबसे सुखद सेटों में से एक रहा है। टीम के साथ काम करके मुझे बहुत अच्छा लगा और सेट पर बिताया गया हर दिन संतुष्टिदायक लगा। अपूर्वा ने निर्देशक तेजस शुकुल के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में भी बात की और कहा, उनके साथ काम करना बहुत अच्छा रहा। वे हमेशा सुझावों के लिए तैयार रहते थे और इससे पूरी प्रक्रिया और भी मज़ेदार हो गई। दिल्ली में शूटिंग करना अपूर्वा के लिए एक खास अनुभव था, क्योंकि शहर की जीवंत ऊर्जा ने फिल्म में एक प्रामाणिक स्पर्श जोड़ा। उन्होंने कहा, मंडी हाउस और चांदनी चौक जैसी जगहों पर 15 दिन फिल्मांकन करना अविस्मरणीय था। ये स्थान इतिहास और संस्कृति से भरे हुए हैं, और उन्होंने फिल्म में एक अनूठा आकर्षण लाया है। अब फिल्मांकन समाप्त होने के साथ, अपूर्वा फिल्म की रिलीज का इंतजार कर रही हैं और उम्मीद करती हैं कि दर्शक कहानी से उतना ही जुड़ेंगे जितना उन्होंने किया था। उन्होंने कहा, यह प्रोजेक्ट वास्तव में खास रहा है, और मुझे उम्मीद है कि मैं इस खुशी को अपनी अगली फिल्म में भी जारी रखूंगी।

शर्मीलेपन को दूर करने और अभिनय में निपुण बनने के लिए सनी देओल चले गए थे विदेश?

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के माचो हीरो सनी देओल ने बताया है कि शर्मीलेपन को दूर करने और अभिनय में निपुण बनने के लिए वह 19 साल की उम्र में भारत छोड़कर विदेश चले गए थे, जहां उन्होंने थिएटर स्कूल से प्रशिक्षण लिया। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का लोकप्रिय सिंगिंग रियलिटी शो 'इंडियन आइडल 15' इस हफ्ते सनी देओल के सम्मान में एक खास एपिसोड लेकर आ रहा है! आगामी फिल्म 'जाट' की स्टारकास्ट इस शो में शिरकत करेगी, जिसमें सनी देओल, रणदीप हुड्डा और विनीत कुमार मंच की रौनक बढ़ाएंगे। इस खास मौके पर 'आइडल का आशीर्वाद फेस' रागिनी, सनी देओल की डेब्यू फ़िल्म बेताब के मशहूर गाने 'जब हम जवां होंगे' की सुरीली प्रस्तुति देकर सभी को मंत्रमुग्ध कर देंगी।

सनी देओल ने कहा, रागिनी ने मुझे उस वक्त वापस पहुंचा दिया जब हमने यह गाना शूट किया था। इस गाने को पूरा करने में हमें कई दिन लगे,क्योंकि मौसम बार-बार बदल रहा था, और हमें सही परिस्थितियों का इंतजार करना पड़ा था। लेकिन इस फिल्म की शूटिंग किसी पिकनिक से कम नहीं थी, हमने खूब मस्ती की। यह मेरी सबसे पसंदीदा और मजेदार फिल्मों में से एक थी। कोई टेंशन नहीं, कोई ओवरथिंकिंग नहीं।बस फन ही फन!

जिस तरह से तुमने यह गाना गाया, मैं सचमुच उस दौर में लौट गया। मुझे यह भी याद आ गया कि इस फिल्म में सोनू निगम जी ने मेरे बचपन का किरदार निभाया था। इसके बाद बादशाह ने सनी देओल से पूछा, आपको कब एहसास हुआ कि आपको फिल्मों में आना है? क्या यह बचपन से ही आपका सपना था?

सनी देओल ने जवाब दिया, बचपन में मैं इन सबसे काफी दूर था, लेकिन जैसा कहते हैं, यह सब जीन्स में होता है। कहीं न कहीं मेरे अंदर यह जुनून पहले से था। मैं अपने पिता (धर्मेंद्र) के साथ बड़ा हुआ, उनकी हर फिल्म देखी, और बिना सोचे-समझे मैं भी उसी रास्ते पर चल पड़ा। बचपन में हम सिर्फ मस्ती किया करते थे, पढ़ाई पर ज्यादा ध्यान नहीं देते थे, लेकिन स्कूल खत्म होने के बाद यह तय करना था कि आगे क्या करना है। तभी मैंने फैसला किया कि मुझे एक्टर बनना है। मैं तब लगभग 19-20 साल का था। मैं बहुत शर्मीला था, इसलिए मैंने खुद को अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकालने का सोचा। मैंने विदेश जाकर एक थिएटर स्कूल जॉइन किया, जहां कोई मुझे नहीं जानता था। वहीं से मैंने काम करना शुरू किया और धीरे-धीरे मेरा आत्मविश्वास बढ़ने लगा। वहीं से मेरी जर्नी शुरू हुई। फिर मैं भारत लौटा और 'बेताब', 'अर्जुन', 'डकैत' जैसी फिल्मों में काम किया। इंडियन आइडल 15 का यह खास एपिसोड इस शनिवार और रविवार रात 8:30 बजे सिर्फ़ सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव पर प्रसारित होगा।

फिल्म 'कृष्णा' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा के यूथ स्टार विमल पांडेय, प्रीति सिंह तथा वधेश मिश्रा के शानदार अभिनय से सजी भोजपुरी फिल्म 'कृष्णा' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म कृष्णा का ट्रेलर वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है।टेक्नीशियन फ़िल्म फ़ैक्टरी के बैनर तले बनी भोजपुरी फिल्म 'कृष्णा' का निर्माण फिल्म निर्देशक से निर्माता बने पराग पाटिल और डीओपी से फिल्म निर्माता बने आर आर प्रिंस (राकेश रोशन सिंह) ने किया है।

फिल्म का निर्देशन आनंद सिंह ने किया है। फिल्म कृष्णा में विमल पांडेय, प्रीति सिंह, अवधेश मिश्रा, निशा तिवारी, संजय पांडेय, बीना पांडेय आदि हैं।

फ़िल्म के लेखक प्राण नाथ हैं। डीओपी सूरज यादव हैं। सिंगर ज्योति शर्मा, काजल राज, सुगम सिंह और ज्योति मिश्रा हैं। संगीतकार साजन मिश्रा, गीतकार शेखर मधुर, अमरेश भट्ट, धरम हिंदुस्तानी, एडीटर प्रवीण एस राय, कार्यकारी निर्माता अखिलेश राय, कोरियोग्राफर कानू मुखर्जी, सोनू प्रीतम, आकाश जायसवाल हैं। डीआई इंदर यादव ने किया है।पोस्ट प्रोडक्शन लोटस स्टूडियो में किया गया है। प्रोडक्शन अमरेश आनंद त्रिपाठी ने किया है। आर्ट डायरेक्टर पवन, फाइट मास्टर दिनेश यादव हैं।

अभिनेत्री सोनम कपूर शनिवार को मुंबई के हवाई अड्डे पर पहुँचते ही तस्वीरों के लिए पोज़ देती हुईं।

कार्तिक आर्यन और मलाइका अरोड़ा ने फिल्म 'माय मेलबर्न' की स्पेशल स्क्रीनिंग में की शिरकत

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के जाने-माने सितारे कार्तिक आर्यन और मलाइका अरोड़ा ने बहुप्रतीक्षित एंथोलॉजी फिल्म माय मेलबर्न की स्पेशल स्क्रीनिंग में शिरकत की। फिल्म माय मेलबर्न का निर्देशन फिल्म इंडस्ट्री के चार बेहतरीन फिल्ममेकर कबीर खान, इम्तियाज़ अली, ओनिर और रीमा दास ने किया है। इस फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग में फिल्म की निर्माता मितु भौमिक लैंगे, पूरी कास्ट और क्रू, और चारों निर्देशक कबीर खान, इम्तियाज़ अली (अपने भाई आरिफ अली के साथ), ओनिर और रीमा दास मौजूद थी। इस खास मौके पर कई बॉलीवुड सितारे भी नज़र आए, जिनमें शूजीत सरकार, रसिका दुगल, आहाना कुमरा, अमित साध, निमृत कौर अहलूवालिया, करण टैकर, अंशुमन झा, अरुषि शर्मा, विजय कृष्ण आचार्य, ऋत्विक धंजानी, मेधा शंकर और कई अन्य शामिल थे। फिल्म माय मेलबर्न में चार अनोखी कहानियां शामिल हैं, जो प्रवासन, पहचान, और जिजीविषा जैसे विषयों को दर्शाती हैं। यह फिल्म भारतीय और ऑस्ट्रेलियाई सिनेमा की बेहतरीन प्रतिभाओं को एक मंच पर लेकर आती है।

कार्तिक आर्यन ने कहा, फिल्म माय मेलबर्न ,भारत के सबसे पसंदीदा फिल्ममेकर्स द्वारा बनाई गई एक बेहद अहम फिल्म है। मैं बहुत खुश हूं कि मुझे यह फिल्म देखने का मौका मिला। यह एक ऐसी फिल्म है जो विनम्र, सहानुभूति और दयालुता को दिखाती है।

मुझे लगता है कि हर किसी को यह फिल्म देखनी चाहिए और इसे प्यार देना चाहिए। माय मेलबर्न एक ऐसी फिल्म है, जिससे आप पहली ही बार में प्यार कर बैठेंगे। इस फिल्म की पूरी टीम के लिए मेरे दिल में बहुत सारा प्यार है। खासकर मितु, जो इस फिल्म की रीढ़ हैं और उन्होंने इसे बनाने में अपना सर्वश्रेष्ठ दिया है। साथ ही कबीर सर, इम्तियाज़ सर, ओनिर सर, और रीमा मैम, और सभी कलाकारों ने शानदार काम किया है। फिल्म माय मेलबर्न ,भारत में 14 मार्च को रिलीज़ होने वाली है।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

देश और समाज का दुर्भाग्य है कि प्रतिवर्ष अपनी लाखों प्रतिभाएं मातृभूमि को छोड़कर सफलता की तलाश में विदेश जा रही हैं। इस पलायन को रोकना सरकारों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। अगर यूं ही प्रतिभाओं का पलायन होता रहा तो हम पिछड़ जाएंगे। अपने देश में ऐसी व्यवस्थाएं सुदृढ़ करने की आवश्यकता है कि प्रतिभाओं का लाभ भारत को ही मिले। इसके लिए एक सामूहिक राजनीतिक जागरण की जरूरत है। देश का युवावर्ग निष्ठापूर्वक यह क्रांति कर सकता है।

परिवारो में संस्कारों का रहे सम्प्रोषण : मुनि मोहजीत कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। माधावरम तेरापंथ ट्रस्ट बोर्ड टीम ने चेन्नई की ओर विहाररत मुनि श्री मोहजीतकुमार के कृष्णगिरी जैन तीर्थ में दर्शन किये। प्रबंध न्यासी घीसूलाल बोहरा ने नेतृत्व में 14 सदस्य टीम ने मुनिवर को वन्दन कर, सुखसाता निवेदित की। बोहरा ने स्वागत स्वर प्रस्तुत करते हुए शेषकाल में, माधावरम में अधिकतम दिनों तक विराजने का निवेदन किया। उपाध्यक्ष रमेश परमार ने माधावरम की गतिविधियाँ और आगामी कार्ययोजना की प्रस्तुत की।

मुनिश्री ने कहा कि तेरापंथ धर्मसंघ एक गुरु की स्वस्थ परम्परा में अपना चहुमुंखी विकास कर रहा है। श्रावक समाज अपना आध्यात्मिक विकास कर रहा है। मुनिवर ने प्रेरणा पाथेय प्रदान करते हुए कहा कि आप सब का दायित्व है कि भावी पीढ़ी में भी संस्कारों का दृढ़ विकास हो। शहर में चारित्र आत्माओं के विराजने पर प्रति दर्शन, प्रवचन श्रवण स्वयं भी करे और भावी पीढी को विशेष प्रोत्साहित कर उन्हें करवायें। अशोककुमार लूणावत, स्वरूप चन्द दाँती ने भी अपनी भावना रखी। मंगल पाठ के साथ सभी साध्वीश्री उदितयशाजी के दर्शनार्थ रवाना हुए।

दक्षिण रेलवे महिला एसोसिएशन के द्वारा महिला कर्मचारियों का सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिण रेलवे वूमेन वेलफेयर एसोसिएशन के मुख्य ऑफिस के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि दक्षिण रेलवे वूमेन वेलफेयर एसोसिएशन की अध्यक्ष सोनिया सिंह थी। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने पद्मश्री डॉ. अनीता पॉलदुराई (बास्केट बॉल खिलाड़ी) और मासिक धर्म स्वास्थ्य प्रशिक्षक नीलम भारत सारडा का भी सम्मान किया। साथ ही दक्षिण रेलवे के 27 महिला कर्मचारियों को उनके विभिन्न कार्यों में उत्कृष्टता के लिए सर्टिफिकेट और नगद पुरस्कार देकर मुख्य अतिथि के द्वारा उन्हें पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर अन्य अतिथियों में उपाध्यक्ष रेखा कौशल, कोषाध्यक्ष अपर्णा, सचिव चित्रा बाल सुंदर आदि उपस्थित थीं।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में दक्षिण रेलवे के विभिन्न महिला कर्मचारियों के द्वारा नृत्य और गायन का एक छोटा सा रंगारंग कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया। जिसमें नृत्य और गायन के जरिए उत्तर और दक्षिण भारत की विभिन्न कलाओं को बहुत सुंदर तरीके से प्रस्तुत किया गया था। मुख्य अतिथि सोनिया सिंह ने अपने उद्बोधन में सर्वप्रथम सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और इस बात पर जोर दिया कि दक्षिण रेलवे की सभी महिला कर्मचारी के कार्य सराहना के पात्र हैं और उन्हें इसी तरह अपनी जिम्मेदारियां का निर्वहन करते हुए अपनी पहचान भी बनाए रखनी चाहिए। कलाकारों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया, उन सभी को विशेष तौर पर सराहा। इस पूरे कार्यक्रम का संचालन डॉ. शीतल ने बहुत सारगर्भित तरीके से किया और कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन सचिव चित्रा बालसुंदर ने प्रस्तुत किया। अंत में परवाह पीरियड केयर की तरफ से आई हुई महिला कर्मचारियों में मेंस्ट्रूअल कप का भी वितरण किया गया।

फाल्गुनी पूर्णिमा चौमासी पर्व तप त्याग से मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ तमिलनाडु के तत्वावधान में स्वाध्याय भवन में फाल्गुनी पूर्णिमा चौमासी पर्व तप-त्याग पूर्वक आलोचना दिवस के रुप में मनाया गया। विनोद जैन ने जैन धर्म का मौलिक इतिहास का वांचन किया।

श्रावक संघ के निवर्तमान कार्याध्यक्ष आर नरेन्द्र कांकरिया ने बताया कि जैन धर्म में संवत्सरी पर्व की तरह फाल्गुनी चौमासी पर्व भी महत्वपूर्ण माना जाता हैं। इस पर्व पर सभी कार्तिक पूर्णिमा के पश्चात विगत चार माह में लगे हुए दोषों व पापों की आलोचना करते हैं। दोपहर में कांतिलाल तातेड़, इंदरचंद कर्णावट, आर नरेन्द्र कांकरिया ने आलोयणा का पाठ किया। स्वाध्याय संघ जोधपुर के सहसंयोजक नवरतनमल बागमार ने उपस्थित नवीन स्वाध्यायी बन्धुओं को अंतगढ़दसा सूत्र के वांचन व शुद्धिकरण का प्रशिक्षण करवाया।

रायसी व देयसी प्रतिक्रमण में विमलचंद सुराणा, विनोद जैन, गौतमचन्द मुणोत, बादलचन्द लीलमचन्द, गौतमचन्द, ज्ञान बागमार सहित अनेक श्रावकों की उपस्थिति रही। सभी ने प्रतिक्रमण के पाठ में समस्त जीव राशि से क्षमायाचना की।

केन्द्रीय रेल मंत्री से मिले प्रवासी व दिया ज्ञापन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई एयरपोर्ट पर राजस्थानी प्रवासी व्यापारियों ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात की। सभी राजस्थानी समाज के लोगों ने मारवाड़ जालोर के लिए सीधी रेल सेवा के लिए ज्ञापन दिया। जिसमें भाजपा नेता पवन कुमार राजपुरोहित, भीमाराम मोदी, डार्विन शर्मा, केसर सिंह, राम सुथार, राजू सिंह राजगुरु राजपुरोहित सबने मिलकर रेल मंत्री से मांग की कि चेन्नई से जोधपुर वाया मेहसाणा-जालोर के लिए नियमित ट्रेन सेवा शुरु की जाए। अप्रैल से जून महीने के दरम्यान विद्यार्थियों के गर्मियों के अवकाश व विवाह के सीजन होने के कारण आवागमन ज्यादा रहता है इसलिए स्पेशल ट्रेन की व्यवस्था की जाए।

रेल मंत्री ने सभी उपस्थित प्रवासियों को संबोधित करते हुए आश्वासन दिया कि आगामी 15 दिनों में खुशखबरी आ जाएगी। बहुत ही जल्द चेन्नई से जोधपुर सीधी रेल सेवा वाया जालोर होते हुए जाने का आश्वासन दिया। प्रवासियों ने रेल मंत्री का आभार व्यक्त करते हुए उनका सम्मान किया। इस अवसर पर मद्रास माली समाज, देवासी समाज, राजपुरोहित समाज, चौधरी समाज, जैन समाज, प्रजापत समाज, सुथार समाज, घांची समाज, रावल ब्राह्मण समाज, लोहार समाज, सीरवी समाज, राजपूत समाज, सह सर्व समाज के संप्रदाय के प्रवासी बंधु राजस्थानी साफा पहनकर उपस्थित थे।

वन बंधु परिषद ने साहचर्य कार्यक्रम के साथ होली मनाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। फ्रेंड्स ऑफ ट्राइबल सोसाइटी (एफटीएस) चेन्नई जोन ने हाल ही में अपने सदस्यों और समर्थकों के बीच एकता और सौहार्द को बढ़ावा देने के लिए एक जीवंत और जोशीला होली समारोह आयोजित किया, जिसका नाम 'होली का हंगामा' रखा गया। समुदाय और संगठन के उद्देश्यों के बीच बंधन को मजबूत करने के लिए आयोजित यह कार्यक्रम सभी शामिल लोगों के सामूहिक प्रयास की बदौलत एक बड़ी सफलता थी।

अध्यक्ष प्रवीण टाटिया ने कार्यक्रम की शुरुआत में सम्मानित अतिथियों और सदस्यों का गर्मजोशी से स्वागत किया, जिससे एकता और उत्सव की शाम की शुरुआत हुई। उन्होंने प्रायोजकों और अतिथियों से मिले निरंतर समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया, और संगठन के लक्ष्यों को प्राप्त करने में समुदाय की भूमिका के महत्व पर जोर दिया। चेन्नई विभाग के माध्यम से 900 स्कूल चल रही है उसकी जानकारी भी दी गई।

शाम का मनोरंजन खंड जीवंत आकर्षण था, जिसमें सौरव दोशी और अनामिका अग्रवाल ने कई दिल को छू लेने वाले गीतों ने होली के सार को जीवंत कर दिया। इन धुनों ने न केवल उत्सव की भावना को दर्शाया, बल्कि एकजुटता और खुशी के प्रतीक के रूप में त्योहार के महत्व को भी रेखांकित किया। इस कार्यक्रम की थीम मजबूत संबंधों को बढ़ावा देने के लिए, सचिव गिरि बागरी द्वारा कई मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया। इन खेलों का उद्देश्य मेहमानों और एफटीएस के सदस्यों के बीच सौहार्दपूर्ण माहौल बनाना और गहरे संबंध को बढ़ावा देना था। इस सभा का मुख्य उद्देश्य एफटीएस के दृष्टिकोण को बढ़ावा देना था: यह सुनिश्चित करना कि शिक्षा गांवों तक पहुंचे। इस कार्यक्रम में एक ऐसा माहौल बनाने के महत्व पर जोर दिया गया, जहां स्कूल पिछड़े और वनवासी समुदायों के साथ सहजता से जुड़ सकें, जिससे अगली पीढ़ी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ सशक्त बनाया जा सके।

कार्यक्रम का संचालन विनोद जैन ने किया, जिन्होंने पूरे समय दर्शकों को बांधे रखा। कार्यक्रम के अध्यक्ष शिवकुमार गोयनका ने सभी प्रायोजकों के प्रति उनके अटूट समर्थन के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया, जो एफटीएस को 'एक शिक्षक विद्यालय' पहल की स्थापना के अपने मुख्य लक्ष्य की ओर महत्वपूर्ण प्रगति करने में सहायक रहा है। एफटीएस को पूरे साल अपने लक्ष्य हासिल करने में मदद करने के लिए उनके समर्पण और अथक प्रयासों के लिए सभी सदस्यों को हार्दिक धन्यवाद दिया गया। वंचित क्षेत्रों में शिक्षा प्रदान करने के मिशन को आगे बढ़ाने में उनका अमूल्य योगदान महत्वपूर्ण रहा है। यह आयोजन सहयोग की शक्ति और एक ऐसे समाज के निर्माण के साझा दृष्टिकोण का प्रमाण था, जहां कोई भी व्यक्ति, चाहे उसकी पृष्ठभूमि कुछ भी हो, ज्ञान की खोज में पीछे न छूटे।

होली — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में मरीना स्पोर्ट्स वॉलीबॉल क्लब ने होली का त्योहार एग्मोर कारपोरेशन ग्राउंड में धूमधाम से मनाया। सभी खिलाड़ियों ने गुलाल रंग से होली खेली और मिठाइयाँ बांटी।

होली उत्सव — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर। यहां के आरएस पुरम् स्थित राजस्थानी संघ द्वारा होली दहन कांतिलाल महेशकुमार बाफना के निवास स्थान पर किया गया। सभी का स्वागत राजस्थानी संघ के अध्यक्ष गौतमचन्द श्रीश्रीमाल ने किया। पंडित गौरीशंकर द्वारा मंत्रोच्चारण के साथ होलिका की पूजन कर दहन किया गया। पारम्परिक गैर नृत्य में सभी सदस्यों ने भाग लिया। लाभार्थी बाफना परिवार का संघ द्वारा सम्मान किया गया। संघ के सचिव विकास नाकोडा, पूर्व अध्यक्ष इन्दरचन्द कोठारी, एपेक्स महावीर जैन, जयंतीलाल बाफना, होली उत्सव समिति के चेयरमैन विशाल मुनोट, महावीर बाफना, कांतिलाल बाफना, मदनचन्द माली, किशोर जैन, महेश बाफना आदि अनेक सदस्य उपस्थित थे।

ब्रह्मवृक्षम द्वारा होली मिलन आज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। ब्रह्मण एसोसिएशन 'ब्रह्मवृक्षम' द्वारा होली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन माधावरम स्थित आदिनाथ ट्रेड कॉम्प्लेक्स में सायं पांच बजे से किया जा रहा है। मंत्री वी के तिवारी ने बताया है कि प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी होली स्नेह मिलन का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है कार्यक्रम में अबीर गुलाल की होली खेलकर सदस्य परिवारजन विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद उठाएंगे।

मैथिल परिवार का होली मिलन आज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां अरुणवाक्कम स्थित डीजी वैष्णव कॉलेज सभागार में मैथिल परिवार चेन्नई के तत्वावधान में होली मिलन समारोह का आयोजन रविवार को किया गया है जिसमें तमिलनाडु फायर एवं रेस्क्यू विभाग के डीजीपी आईपीएस आभाष कुमार मुख्य अतिथि होंगे। इस आयोजन को भव्य और सफल बनाने हेतु मैथिल परिवार मिथिला के तीन प्रसिद्ध गायक विकास झा, सुश्री जुली झा, सुश्री स्वाति झा को आमंत्रित किया गया है। संस्था के अध्यक्ष अमरनाथ मिश्रा के अनुसार मिथिलावासियों को कार्यक्रम में शामिल होने के लिए डोनर पास उपलब्ध कराया गया है। चेन्नई के आसपास एवं दूरदराज में निवास कर रहे मिथिला के लोग इस आयोजन में शिरकत करेंगे।

बटर मिल्क वितरण कार्य का हुआ शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां श्री कोयंबटूर स्थानकवासी जैन संघ के तत्वावधान में श्री श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन युवक संघ द्वारा प्रति वर्ष के भांति ही इस वर्ष भी संघ के मुख्यद्वार पर भीषण गर्मी को देखते हुए निःशुल्क छाछ वितरण कार्य का शुभारंभ एससीएस जैन संघ के अध्यक्ष राजेश कुमार बोहरा के कर कमलों से किया गया।

इस उद्घाटन के अवसर पर एससीएस जैन संघ के सहसचिव अजय टाटिया कार्यकारिणी सदस्य ज्ञानचंद खारीवाल, राजेश कुमार गादिया, दिलीप बोहरा, रॉबिन बाबेल आदि उपस्थित थे।

मदुरै कपड़ा बाजार का हुआ रंगोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। मदुरै प्रवासी राजस्थानी कपड़ा बाजार द्वारा होली महोत्सव (घुलेरी) एवं स्नेह मिलन का आयोजन 14 मार्च को हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ संपन्न हुआ। प्रवक्ता दिनेश सालेचा ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह बैंड-बाजे की मधुर धुनों के साथ हुआ। रंग-बिरंगे गुलाल की वर्षा के बीच होली प्रेमियों ने नाचते-गाते एक-दूसरे को गुलाल लगाकर शुभकामनाएँ दीं। रंग यात्रा मुख्य मार्गों से गुजरती हुई नौबतखाना स्ट्रीट तक पहुँची, जहाँ पूरे रास्ते में होली की मस्ती और उल्लास का माहौल बना रहा। यात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर प्रवासियों ने गेरियों के लिए स्वादिष्ट व्यंजनों की व्यवस्था की गई थी, जिसमें पारंपरिक मिठाइयाँ और ठंडाई विशेष आकर्षण रहे। रंग यात्रा के उपरांत सभी सदस्य मंजनकारा स्ट्रीट पहुँचे, जहाँ नृत्य, संगीत और फोटोग्राफी के साथ उत्सव का समापन हुआ। इसके बाद तेरापंथ भवन में विशेष भोज का आयोजन हुआ, जहाँ सभी ने स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया। इस आयोजन की विशेषता रही। केवल गुलाल से होली खेलना। सभी ने संयम और अनुशासन का परिचय देते हुए इस पावन पर्व को मिल-जुलकर मनाया। आयोजन समिति ने सभी प्रतिभागियों और सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त किया, जिनके सहयोग से यह आयोजन सफल हुआ।

धर्मगुरु दीवान माधवसिंह का मैसूरु में हुआ भव्य स्वागत

मैसूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय महावीर नगर स्थित कर्नाटक सीरवी समाज द्वारा आईमाता मंदिर में शनिवार को आई पंथ के धर्मगुरु दीवान माधवसिंहजी की शोभा यात्रा निकाली गई, जिसमें महिलाएं सिर पर कलश धारण कर मंगल गीत गाती हुई चल रही थीं। धर्मगुरु ने आई माता मंदिर में पूजा अर्चना कर आरती की। इसके बाद उपस्थित सीरवी परिवारों को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 500 वर्षों के इतिहास में आईमाता का धर्म रथ भेल दक्षिण भारत में प्रथम बार मैसूरु में आगमन हुआ था, उसके बाद हर प्रान्त में आज धर्म रथ पहुँचकर अपने धर्म का प्रचार एवं माताजी द्वारा बताए गए 11 नियमों का प्रचार कर रहा है। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ी को अपने धर्म के प्रति जागरूक करना चाहिए और रोजाना नजदीकी आईमाता बडेर जाकर आई माता का आशीर्वाद लेना चाहिए।

गैर नृत्य — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के माधावरम् में कुमावत समाज मूलेकड़े के सदस्यों ने अपनी परम्परागत रीति रिवाजों के अनुसार होली के गैर का नृत्य किया। प्रवासियों ने चंग की थाप पर गैर नृत्य किया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.